हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 04, अंक:-03, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, गुरुवार 11 जून 2026

पुलिस भर्ती परीक्षार्थियों की मदद के लिए आगे आए लखनऊ...02

33 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद...06

सेंसेक्स डे-हाई से 630 अंक गिरकर 73,983 पर बंद हुआ

चांदी 9,658 गिरकर 2.36 लाख किलो पर आई

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस-मेटा

ईओडब्ल्यू की समीक्षा

मुख्यमंत्री योगी बोले, किसी मामले को तीन माह से अधिक समय तक लंबित न रखें, जवाबदेही होगी

लखनऊ, संवाददाता। आर्थिक अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक प्रभावी, त्वरित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ जांच प्रणाली और प्रभावी अनुश्रवण तंत्र से सशक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईओडब्ल्यू की कार्यप्रणाली एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए आर्थिक अपराधों से जुड़े मामलों में त्वरित जांच, प्रभावी कार्रवाई और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आर्थिक अपराधों से संबंधित लंबित जांच, विवेचनाओं, गिरफ्तारी, अभियोजन, जनजागरूकता गतिविधियों तथा संगठनात्मक सुधारों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय धोखाधड़ी, जालसाजी, गबन और अन्य आर्थिक अपराध न केवल सरकारी संसाधनों को प्रभावित करते हैं, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास को भी आघात पहुंचाते हैं। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में बताया गया कि संगठन द्वारा लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2026 में 31 मई तक 155 जांच, विवेचना एवं अनुवर्ती कार्यवाहियों का निस्तारण किया जा चुका है। इसी अवधि में 71 अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुराने मामलों के निस्तारण में और तेजी लाई जाए तथा वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं, उनमें अभियोजन और न्यायिक प्रक्रिया को गति दी जाए। उन्होंने सुदृढ़ पैरवी, गुणवत्तापूर्ण विवेचना और साक्ष्य संकलन के माध्यम से अधिकाधिक मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में महत्वपूर्ण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में बताया गया कि जांच, विवेचना और अनुवर्ती कार्यवाहियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए केस मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) विकसित किया गया है। यह प्रणाली प्रकरणों के डिजिटल प्रबंधन, ऑनलाइन रिपोर्टिंग, रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा डैशबोर्ड आधारित अनुश्रवण की सुविधा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने इसके प्रभावी उपयोग के निर्देश देते हुए कहा कि तकनीक आधारित व्यवस्था से जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि होगी। जांच अधिकारी किसी मामले को तीन माह से अधिक समय तक अपने पास न रखें।

अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करें

मुख्यमंत्री ने आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलते तकनीकी परिवेश में वित्तीय धोखाधड़ी, निवेश संबंधी ठगी तथा अन्य आर्थिक अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि ईओडब्ल्यू द्वारा जागरूकता, जानकारी, बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से आमजन को विभिन्न प्रकार के आर्थिक अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को और व्यापक बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक मुद्दों से जुड़े मामलों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने की कार्रवाई को तेज किया जाय। उन्होंने कहा कि पोंजी स्कीम, मल्टीलेवल मार्केटिंग, चिट-फंड घोटाले एवं साइबर फॉड जैसे विषयों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तकनीक का प्रयोग किया जाय।

सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का मोदी ने हासिल किया गौरव

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आजाद भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का गौरव हासिल कर लिया। श्री मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से वह देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार काम कर रहे हैं। लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में मंगलवार को उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गये। यह पंडित नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4398 दिन के कार्यकाल के बराबर है। पंडित नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक प्रधानमंत्री रहे थे। वैसे पंडित नेहरू आजादी के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन तब वह निर्वाचित नहीं, बल्कि अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री थे। इससे पहले श्री मोदी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिन के लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के कार्यकाल से आगे निकल चुके हैं। श्रीमती गांधी 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तक लगातार प्रधानमंत्री रही थी। यद्यपि वह बाद में 1980 में भी प्रधानमंत्री चुनी गयीं थी। श्री मोदी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में भी 9000 से भी अधिक दिन तक कार्य कर चुके हैं। उन्होंने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में नौ जून 2024 को शपथ ली थी। सूत्रों के अनुसार आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की राज्य सरकारों के मुख्यमंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक होगी, जिसमें श्री मोदी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी जायेगी।

500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 4 पर्यटकों की मौत

चंडीगढ़, एजेंसी। उत्तराखंड में मसूरी-देहरादून मार्ग पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार पर्यटकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार उत्तरकाशी से लौट रहे पर्यटकों की मारुति सिलेरियो कार (डीएल 5सी4610) कोल्हूखेत के पास अचानक अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह ढलान पर कार के ब्रेक फेल होना माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि वाहन तेज गति से नियंत्रण खो बैठा और सीधे गहरी खाई में जा गिरा। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार कार में चार लोग सवार थे, जिनकी हादसे में मौत हो गई।

मथुरा में पुलिस मुठभेड़, 20 हजार का इनामी बदमाश हम्बीर गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसी। जनपद की बलदेव थाना पुलिस और रिवार्डिड टीम को मंगलवार रात एक बड़ी सफ्लता मिली है। पुलिस ने दौलतपुर अंडरपास सर्विस रोड पर हुई मुठभेड़ में 20 हजार रुपए के इनामी शातिर अपराधी हम्बीर को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने पुलिस पर फ़ायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। गोली हम्बीर के बाएं पैर में लगी और वह मौके पर ही गिर गया। घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, 9 जून 2026 की रात करीब 9.05 बजे मुखबिर की सूचना पर बलदेव थाना पुलिस और रिवार्डिड टीम ने दौलतपुर अंडरपास सर्विस रोड पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। सूचना मिली थी कि नगला उदय सिंह निवासी 28 वर्षीय हम्बीर पुत्र रामगोपाल किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फ़िराक में घूम रहा है। जब पुलिस ने संदिग्ध हम्बीर को रुकने का इशारा किया तो उसने भागने की कोशिश की और पुलिस पार्टी पर जानलेवा फायरिंग कर दी।

तेजस्वी यादव ने सरकार पर साधा निशाना

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या बिहार दिवालिया होने के कगार पर है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, क्या डबल इंजन सरकार की पूंजीपरस्त नीतियों और जनविरोधी निर्णयों से वित्तीय आपातकाल जैसी स्थिति उत्पन्न होने वाली है? उन्होंने दावा किया

इंडिया-फर्स्ट नीति से बदला देश का वैश्विक स्वरूप- डॉ. जयशंकर

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा के 12 वर्ष पूरे होने पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारतीय विदेश नीति में आए युगांतकारी परिवर्तनों को रेखांकित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक विस्तृत पोस्ट में उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति का पूरी तरह कायाकल्प हो चुका है, जिससे कूटनीति अब अधिक नागरिक-केंद्रित और सक्रिय बन गई है। विदेश मंत्री ने देश के आम नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले की जटिल व्यवस्थाओं के विपरीत, अब देश में पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेजों के सत्यापन (अटेस्टेशन) की प्रक्रिया को बेहद सुगम और पारदर्शी बना दिया गया है। सरकार ने जन-शिकायतों के त्वरित निवारण और फीडबैक के लिए आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किए हैं, जिससे नागरिकों को तत्काल सहायता मिल रही है। डॉ. जयशंकर ने वैश्विक संकटों के दौरान भारत की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान जैसे युद्धग्रस्त और संकटग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के अभियानों ने दुनिया में भारत की साख बढ़ाई है। प्रवासियों और विदेशों में रह रहे भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर 44 नए दूतावास और वाणिज्य दूतावास खोले हैं। इसके साथ ही, 21 वैश्विक गतिशीलता समझौतों (मोबिलिटी पार्टनरशिप) के जरिए भारतीय युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यस्थलों तक पहुंच आसान की गई है। विदेश नीति को देश के आर्थिक विकास से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसायों को विदेशों में बाजार दिलाने और निर्यात बढ़ाने में मंत्रालय ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय कूटनीति अब 24/7 (चौबीसों घंटे) देश की सेवा में समर्पित है। वर्तमान में वैश्विक मंच पर भारत का हर फैसला भारत-पहले (इंडिया-फर्स्ट) की नीति और राष्ट्रीय हितों से प्रेरित होता है, जिसने प्रत्येक भारतीय को विदेश यात्रा के दौरान एक अभूतपूर्व आत्मविश्वास और गौरव की अनुभूति कराई है। इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा पिछले 12 सालों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति में भी बड़ा बदलाव आया है, जिससे ब्रांड इंडिया और ग्लोबल मंच पर भारत की स्थिति मज़बूत हुई है। ग्लोबल साउथ की आवाज़ बनने से लेकर संकट के समय सबसे पहले मदद करने वाले (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) देश के तौर पर सामने आने तक, और इंटरनेशनल सोलर अलायंस जैसी पहलों के ज़रिए क्लाइमेट एक्शन को बढ़ावा देने से लेकर सीमाओं के पार यूपीआई जैसी डिजिटल पब्लिक गुड्स को आगे बढ़ाने तक, भारत ने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई को एक साथ साधा है।

अमेरिकी हेलीकॉप्टर नष्ट होने एवं अमेरिकी हमलों के बावजूद ईरान से समझौता अब भी संभव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के अपाचे हेलीकॉप्टर को नष्ट करने के जवाब में किये गये अमेरिकी हमलों के बावजूद ईरान के साथ समझौता अब भी संभव है। श्री ट्रंप ने एबीसी न्यूज से कहा, मेरा मानना है कि कठोरता से जवाब देना चाहिए। मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी ऐसा ही किया है। हमारे बीच एक बहुत अच्छा समझौता हुआ था और शायद आगे भी होगा। उन्होंने हेलीकॉप्टर नष्ट करने की घटना के जवाब में अमेरिका के हमलों को बहुत मज़बूत एवं बहुत ज़बरदस्त प्रतिक्रिया करार दिया। श्री ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में गश्त के दौरान इस्लामिक रिपब्लिक ने अमेरिकी हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि इस हमले का जवाब अमेरिका को ज़रूर देना चाहिए।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरानी सेना ने कई अमेरिकी ठिकानों पर किये हमले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरानी सेना ने क्षेत्र स्थित कई अमेरिकी ठिकानों पर हमले किये हैं। प्रेस टीवी ने ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के हवाले से बुधवार को रिपोर्ट की है कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अमेरिकी हमलों के जवाब में बहरीन में तैनात अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के बलों पर ड्रोन से हमला किया है। रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यालय ने यह भी दावा किया है कि अगर अमेरिका की आक्रामकता जारी रहती है, तो क्षेत्र में चुनिंदा ठिकानों के खिलाफ और भी बड़े पैमाने पर हमले किये जायेंगे। मंगलवार रात अमेरिकी केंद्रीय कमान ने कहा था कि सेना ने अमेरिका के अपाचे सैन्य हेलीकॉप्टर को मार गिराये जाने के जवाब में ईरान के खिलाफ हमले किये थे। इसके बाद प्रेस टीवी ने रिपोर्ट दी कि बंदर अब्बास, सीरीक और केश्म द्वीप में विस्फोटों की आवाजें सुनी गयीं। रिपोर्टों के मुताबिक, आईआरजीसी ने यह भी बताया कि अमेरिकी हमलों में सीरीक में एक दूरसंचार टावर क्षतिग्रस्त हो गया है और दो जलाशय नष्ट हो गये हैं। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को कहा कि ईरानी सेना किसी भी हमले या धमकी को बिना जवाब के नहीं छोड़ेगी और उन्होंने अमेरिका से इस क्षेत्र को छोड़ने का आह्वान किया। श्री अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, युद्ध के मैदान में अपनी हार के बावजूद अमेरिका ने हमारे दृढ़ संकल्प की परीक्षा लेने का विकल्प चुना। हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमले या धमकी को बिना जवाब के नहीं छोड़ेंगी। यदि आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारे क्षेत्र को छोड़ दें।

मोदी के रिकॉर्ड पर कांग्रेस का बड़ा हमला, कहा

देश पर बन गए हैं बोझ, लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार

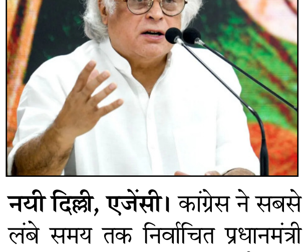

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के नरेन्द्र मोदी के रिकॉर्ड को लेकर बुधवार को दावा किया कि वह भारत पर एक बोझ की तरह हैं क्योंकि वह लोकतंत्र की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति सनक के चलते कोई खुद का तय मील का पत्थर हासिल कर रहे हों, लेकिन असल में वह पंडित नेहरू, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों की उपलब्धियों को मिटाना चाहते हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि 15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने एक ऐसी शानदार कैबिनेट की अगुवाई की, जैसी दुनिया में शायद ही कभी देखी गई हो। इसके अगले पांच वर्षों में आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। उस समय 560 से अधिक रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में मिलाया गया, भारत के संविधान पर चर्चा हुई और उसे अंगीकार किया गया, जमींदारी प्रथा खत्म की गई, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू किया गया, कई बहुउद्देशीय सिंचाई व बिजली परियोजनाएँ शुरू की गईं।

आत्मनिर्भर भारत

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला, नौसेना के लिए 449 करोड़ के स्वदेशी जीएनएसएस जैमर का करार

नयी दिल्ली, एजेंसी। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने बेंगलुरु स्थित कंपनी अकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एएसएसपीएल) के साथ 20 एन्हांस्ड कैपेबिलिटी ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (ईसीजीएनएसएस) जैमर की खरीद के लिए 449 करोड़ रुपए के अनुबंध (कॉन्टैक्ट) पर हस्ताक्षर किया है। इस परियोजना में कम से कम 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अनुबंध 10 जून 2026 को राष्ट्रीय राजधानी में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। यह खरीद बाय (इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड) श्रेणी के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य देश में विकसित और निर्मित रक्षा प्रणालियों को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि यह अत्याधुनिक प्रणाली दुश्मन के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) रिसीवर की सिग्नल प्राप्त करने और ट्रैकिंग क्षमता को कमजोर करने में सक्षम है। इसके अलावा, यह सिग्नल स्पूफिंग और डिसेप्टिव जैमिंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर दुश्मन को भ्रमित भी कर सकती है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन जैमर प्रणालियों की तैनाती से भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को बहु-खतरे वाले वातावरण में सुरक्षित और प्रभावी तरीके से संचालन करने में मदद मिलेगी। आधुनिक समुद्री युद्ध में इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है और यह प्रणाली उसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किये घातक हमले, 11 बच्चे समेत 13 की मौत

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती तीन प्रांतों पर हमले किये हैं, इसमें कम से कम 11 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गयी। अफगानिस्तान के सरकारी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच बने कुछ समय के शांत माहौल के बाद पिछले कुछ हफ्तों में यह सबसे घातक हमला है। अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने 'एक्स' पर लिखा, बीती रात पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम नागरिकों के घरों पर बमबारी की। इन हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गयी। ये हमले पिछले कुछ हफ्तों में सबसे घातक हैं और फरवरी के अंत में दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद सीमा पर उपजे अपेक्षाकृत शांत माहौल के बाद हुए हैं। इससे पहले पाकिस्तानी वायुसेना ने फरवरी के अंत से लेकर मार्च 2026 के मध्य अफगानिस्तान पर कई हमले किये थे। उस समय दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि पाकिस्तान ने इसे खुली जंग घोषित कर दिया था। मार्च के मध्य विशेषकर 16 मार्च को काबुल और कंधार पर अभूतपूर्व हमले हुए थे, जिसके बाद अप्रैल में दोनों देशों के बीच एक अस्थायी शांति समझौता हुआ था। पिछले महीने प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के पहले तीन महीनों में उस संघर्ष में कम से कम 372 अफगान नागरिक मारे गये और 397 अन्य घायल हुए।

त्विषा शर्मा केस

एम्स की सीलबंद पीएम रिपोर्ट सीबीआई को मिली अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगा जांच की दिशा

भोपाल, एजेंसी। राजधानी भोपाल के बहुचर्चित त्विषा शर्मा मौत मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। दिल्ली एम्स द्वारा तैयार की गई दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी गई है। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर रही है और इसे जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा। अदालत के निर्देशों के आधार पर ही जांच की आगामी दिशा तय होगी। मामले की जांच फिलहाल त्विषा शर्मा की गर्भावस्था, संभावित गर्भपात और उसके बाद हुई मौत की परिस्थितियों पर केंद्रित है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला था या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोटों के निशान मिलने का उल्लेख किया गया था। अब दूसरी रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों का पहले से उपलब्ध साक्ष्यों और घटनास्थल की परिस्थितियों से मिलान किया जा रहा है।

यूपी-बिहार में आंधी के साथ बारिश, 100 जगह पेड़-पोल उखड़े

मुंबई में लैंडस्लाइड, 5 कारें मलबे में दबीं, राजस्थान में रेतीला तूफान आया

नयी दिल्ली, एजेंसी। मानसून ने केरलम में दस्तक देने के 6 दिन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को कवर कर लिया है। मंगलवार को यह मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल पहुंचा। अब तक 16 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। बिहार में मंगलवार को 10 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। बेगूसराह में एक ऑटो पर पोल गिर गया। उत्तर प्रदेश के इटावा में तेज तूफान के साथ बारिश हुई। इस दौरान 100 से ज्यादा जगहों पर पेड़-पोल गिर गए। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड होने से 5 कारें मलबे में दब गईं। पवने एमआईडीसी इलाके में पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहा था। इधर, राजस्थान के अलवर में रेत का बवंडर उठा। मध्य प्रदेश के 26 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेलसियस से ज्यादा रहा। केरलम में 4 जून को पहुंचा मानसून अब पूर्वोत्तर के सभी राज्यों तक पहुंच गया है। मंगलवार को मानसून ने मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को भी कवर कर लिया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों में मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के बाकी हिस्सों, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में आगे बढ़ सकता है। मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके जल्द ही महाराष्ट्र के और हिस्सों को कवर करने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत में 11 जून तक तापमान 2 से 4 डिग्री सेलसियस तक बढ़ सकता है। इसके बाद तापमान में 3 से 5 डिग्री सेलसियस की गिरावट आने की संभावना है।

पुलिस भर्ती परीक्षार्थियों की मदद के लिए आगे आए लखनऊ सिविल डिफेंस प्रखंड गोमती नगर के वार्डन

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस भर्ती परीक्षा में जिलाधिकारी लखनऊ के आदेशानुसार,चीफ वार्डन सिविल डिफेंस आदरणीय अमरनाथ मिश्र के दिशा निर्देशन में सिविल डिफेंस प्रखंड गोमती नगर द्वारा रेलवे स्टेशन गोमती नगर पर हेल्प डेस्क कैंप लगाकर पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों की सहायता की गई। गौरतलब है कि 8-9 और 10 जून को राजधानी लखनऊ मे कई केंद्रों पर पुलिस भर्ती की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें शामिल होने के लिए आसपास के जिलों से हजारों अभ्यर्थी परीक्षा देने रेल एवम बसे से लखनऊ पहुंचे। परीक्षार्थियों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए गोमती नगर स्थित गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर जिला प्रशासन ने सिविल डिफेंस के प्रखंड गोमती नगर के स्वयंसेवकों को जिम्मेदारी सौंपी थी। गोमतीनगर प्रखंड के स्वयंसेवकों ने परीक्षा के एक दिन पूर्व 7 जून की शाम से ही मोर्चा सम्भाल लिया था। अपर

नगर मजिस्ट्रेट -4 सचिन कुमार वर्मा की उपस्थिति में और डिविजनल वार्डन नफीस अहमद की देखरेख में अभ्यर्थियों को उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचने मे सिविल डिफेन्स वार्डन द्वारा निस्वार्थ सेवा ध् मदद की गई साथ ही जो अभ्यर्थी आराम करना चाहते थे उनके लिए विश्राम की व्यवस्था की गई। इस दरमियान अभ्यर्थियों को उनके सेंटर तक पहुंचने के लिए गोमती नगर के वार्डन ध् स्वयंसेवकों ने मार्ग दर्शन किया। परीक्षा खत्म होने के बाद परीक्षार्थियों को उनके घर वापसी के लिए वार्डन्स ने अपनी सेवाए दी सिविल डिफेंस के इस सराहनीय कार्य निस्वार्थ सेवा भाव से रेल प्रशासन गोमती नगर स्टेशन के अधिकारियों ने मुक्त कंठ से प्रखंड गोमती नगर सिविल डिफेंस के वार्डेनों की प्रशंसा की। राष्ट्रपति पदक से अलंकृत सिविल डिफेंस अधिकारी वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा तथा डिप्टी चीफ गुरप्रीत सिंह सेठी एवं स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन ऋतुराज रस्तोगी जी ने गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर उपस्थित होकर वार्डन्स ध्स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। इस सराहनीय कार्य निस्वार्थ सेवा भाव में सिविल डिफेंस गोमतीनगर के डिविजनल वार्डन नफीस अहमद, --ऐश्वर्य शर्मा डिप्टी डिवीजनल वार्डन , रितेश शर्मा पोस्ट वार्डन (रिजर्व), पीके शर्मा पबव, अखिलेश कुमार वर्मा, सुरेश पाल, यदुवीर सिंह रघुवंशी, संतोष पांडे,हरिओम यादव,संदीप कुमार, कृष्ण कुमार पांडे,राम खिलावन, जय सिंह, हितेश गुप्ता, शिवम कश्यप, विकास कश्यप,सुमित कुमार, प्रियेश विक्रम, सनी साहनी,सज्जन अली, शाजिया सिद्दीकी, सद्दाम हुसैन, फैज शब्बीर,आकिब हुसैन, मोहम्मद अलीम, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, अशोक कुमार गुप्ता, रितेश शर्मा, वाष्णाने सिंह, अर्थ शर्मा, दिव्यांशु, आकाश, अक्षत मौर्य, आर्यन श्रीवास्तव, आयुष कुमार, गजेंद्र सिंह यादव,वीरेंद्र सिंह यादव, राम सरन, रमेश कुमार निर्मल,पुष्कर राज वर्मा, सिद्धांत स्वरूप निषाद, हर्षित सिंह, शिव शंकर दुबे, रजत चतुर्वेदी, स्वतंत्र सिंह, अजय पाल,महेश चतुर्वेदी,आशीष त्रिपाठी,आदि वार्डन निस्वार्थ सेवा में शामिल रहे ।

सुपर एल-नीनो से निपटने को बीएचयू में राष्ट्रीय कार्यशाला, डीएसआर और वैकल्पिक फसलों पर जोर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान में सुपर एल-नीनो वर्ष 2026 में धान की सीधी बुवाई एवं वैकल्पिक फसलें विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, जल संकट और कृषि चुनौतियों के समाधान हेतु धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तथा वैकल्पिक फसल प्रणालियों को बढ़ावा देना है। मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि डीएसआर तकनीक से पानी, समय और लागत की बचत होती है तथा यह जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजीत कुमार चतुर्वेदी ने की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को आवश्यक बताया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने धान की सीधी बुवाई, उन्नत कृषि तकनीकों और वैकल्पिक फसल प्रणालियों पर विचार साझा किए। साथ ही प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव प्रस्तुत किए। आयोजन में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं किसानों की बड़ी भागीदारी रही।

वाराणसी नगर निगम द्वारा मीट बैन के फैसले का स्वागत- डॉ गीता रानी।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। विश्व हिंदू महासंघ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मातृशक्ति प्रकोष्ठ डॉक्टर गीता रानी ने वाराणसी से जारी बयान में कहां की वाराणसी नगर निगम ने शहर के अंदर मांस मछली बेचने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। मैं वाराणसी नगर निगम द्वारा लगाए गए मीट बैन के फैसले का स्वागत और अभिनंदन करती हूं। सनातनी संगठन कई दशक से पवित्र नगरी काशी में मांस मछली बिक्री पर प्रतिबंध का मॉग करते आ रहे हैं। बाबा विश्वनाथ की नगरी में देश-विदेश से दर्शनार्थी जब दर्शन करने आते हैं,तो बनारस की गलियों और सड़कों पर खुले मास की बिक्री से दुर्गंध और गंदगी से असुविधा होती है। मीट बैन के फैसले सेपरमपिता परमेश्वर बाबा विश्वनाथ की नगरी स्वछ और सुंदर दिखेगी।

नगर विधायक रत्नाकर मिश्र का प्रयास रंग लाया

कमिश्नर को भी दिया गया था ज्ञापन एवं सामाजिक संगठनों ने की थी मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंडल मुख्यालय पर रजिस्ट्रार, सोसाइटी फर्मस् एंड चिट फंड का दफ्तर खोले जाने की लंबे दिनों से की जा रही मांग पूरी हुई। उल्लेखनीय है कि मान्यता प्राप्त निजी स्कूल एसोसिएशन के अलावा अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भारी संख्या में कमिश्नर श्री राजेश प्रकाश को पत्रक दिया था। कार्यालय खोले जाने की शुरुआती मांग पर कमिश्नर अत्यंत सक्रिय हुए और शासन से पत्राचार किया लेकिन यह विभाग मुख्य मंत्री के पास होने के नाते कार्यालय खुलने में विलंब होने लगा। मान्यता प्राप्त निजी स्कूल एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल नगर विधायक श्री रत्नाकर मिश्र से लगभग 15 दिनों पहले मिला था। प्रतिनिधिमंडल की मांग को जायज बताते हुए नगर विधायक ने मुख्यमंत्री के नाम लिखित पत्र भेजा। जिस पर फौरी कार्रवाई हुई और अंततः विकास भवन में कार्यालय खुल गया। मंडल मुख्यालय पर कार्यालय खुलने से विंध्याचल मंडल के तीनों जनपदों की संस्थाओं को वाराणसी चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

नगर आयुक्त का निरीक्षण अभियान कुकरैल नदी की सफाई और विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने किया कुकरैल नदी का निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को कुकरैल नदी,मनोरथा गौशाला,नालों और विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

कुकरैल नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कुकरैल नदी से फ्लोटिंग मटेरियल हटाने और दोनों किनारों पर व्यापक सफाई अभियान चलाने को कहा। वहीं,मनोरथा गौशाला में निर्माणाधीन कार्यों को 20 दिनों में पूरा करने और उनकी थर्ड पार्टी जांच कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा नालों की सफाई, सीवर व्यवस्था और अटल बिहारी वाजपेयी डिग्री कॉलेज में निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

12 वर्षों के शासन के बाद भी जनता जवाब मांग रही है-चौधरी सुनील सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर लोकदल ने कहा है कि किसी भी सरकार का वास्तविक मूल्यांकन केवल प्रचार और दावों से नहीं, बल्कि जनता के जीवन में आए बदलावों से होना चाहिए। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि 12 वर्षों के बाद भी देश का युवा रोजगार को लेकर चिंतित है, किसान अपनी आय और फसलों के उचित मूल्य के लिए संघर्ष कर रहा है तथा आम जनता लगातार बढ़ती महंगाई का बोझ झेल रही है। आर्थिक असमानता बढ़ी है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता एवं स्वायत्तता को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार को अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ जनता के सवालों का भी जवाब देना चाहिए। देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर गंभीर संवाद तथा ठोस समाधान की आवश्यकता है।

पारा म्यूजिक के 'भोजपुरी धूम' की शुरुआत, 'राउंड राउंड' गीत को मिल रहा शानदार प्रतिसाद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। पारा म्यूजिक ने अपने नए भोजपुरी म्यूजिक वर्टिकल 'भोजपुरी धूम' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर कंपनी का पहला भोजपुरी गीत 'राउंड राउंड' लॉन्च किया गया, जिसमें भोजपुरी स्टार अरविंद अकेला कल्लू और लोकप्रिय गायिका शिल्पी राज ने अपनी आवाज दी है। भव्य लॉन्च कार्यक्रम में भोजपुरी जगत के कलाकारों, इन्फ्लुएंसर्स और गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। रिलीज़ के बाद से ही यह गीत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। गीत में एंजेल लिज़ा की आकर्षक प्रस्तुति दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। PaRa Music की सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक राशना पोचकनावाला ने कहा कि 'भोजपुरी धूम' के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाला मौलिक कंटेंट प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं सह-संस्थापक पवन सूद ने इसे भोजपुरी संगीत जगत में कंपनी की नई और महत्वपूर्ण शुरुआत बताया। गीत के बोल अभिनव प्रताप सिंह ने लिखे हैं, निर्देशन बद्री नाथ झा ने किया है तथा कोरियोग्राफी मिथुन ने की है। कंपनी को उम्मीद है कि 'राउंड राउंड' भोजपुरी संगीत प्रेमियों के बीच बड़ा हिट साबित होगा।

थाना जिगना क्षेत्रांतर्गत ग्राम नेगुरा रिबई सिंह में पुलिस चैकी निर्माण कार्य का विधि विधान से किया गया भूमिपूजन/शिलान्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंजू रानी चैहान मा. न्यायमूर्ति, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के कर कमलों से क्रिटिकल गैप्स योजनान्तर्गत थाना जिगना क्षेत्रांतर्गत ग्राम नेगुरा रिबई सिंह में पुलिस चैकी निर्माण कार्य का श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह सदस्य विधान परिषद, कल्पराज सिंह सदस्य लोक सेवा आयोग, पवन कुमार गंगवार जिलाधिकारी मीरजापुर व अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर की गरिमामयी उपस्थित में विधि विधान से भूमिपूजन/शिलान्यास किया गया। उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंजू रानी चैहान मा. न्यायमूर्ति, उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा सलामी गार्द का मान-प्रणाम ग्रहण किया गया तत्पश्चात् विधि विधान से भूमिपूजन/शिलान्यास कर चैकी परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा मौके पर उपस्थित सम्मानित ग्रामीणजनों को सम्बोधित किया गया । इस दौरान राजकुमार मीणा पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, अमर बहादुर क्षेत्राधिकारी लालगंज, संजय सिंह थानाध्यक्ष जिगना सहित सम्मानित ग्रामीणजन एवं अन्य पुलिस व प्रशासनिक के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

मंत्री अजंता नेओग ने किया कामरूप जिले की विकास समिति की बैठक की समीक्षा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। असम सरकार की महिला एवं बाल विकास तथा पर्यटन मंत्री तथा कामरूप जिले की नव-नियुक्त अभिभावक मंत्री अजंता नेओग ने बुधवार को कामरूप जिले के अमीनगाँव स्थित संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास समिति (डीडीसी) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मंत्री ने जिले में चल रहे विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया। मंत्री ने अधिकारियों से निर्देश दिया कि सभी प्रस्तावों का निपटान 24 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाए और किसी भी कार्य को अनिर्णीत न छोड़ा जाए, ताकि शासन-शिष्टाचार के अन्तर्गत तेजी से सेवाएँ प्रदान की जा सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी विकास कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएँ और किसी भी हाल में कार्यों के मानक व गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। स्वच्छता, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन को लागू करने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। अजंता नेओग ने कहा कि विकासात्मक गतिविधियों और सामूहिक प्रगति की जानकारी संबंधित विधायकों के साथ नियमित रूप से साझा की जानी चाहिए ताकि बेहतर समन्वय और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि परियोजनाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग अधिक पारदर्शी तरीकों से हो और यदि किसी परियोजना में अनियमितता या देरी दिखाई दे तो उसे त्वरित रूप से ठीक किया जाए। बैठक में शामिल अधिकारियों में कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंत कलिता, समरिया के विधायक रेकिबुद्दिन अहमद, हाजो-शुवालकुची के विधायक प्रकाश चंद्र दास के साथ-साथ कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुभाशीष बरुआ, कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त, अतिरिक्त जिला आयुक्त, सम- जिला आयुक्त, सहायक आयुक्त तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के प्रमुख अवसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्टों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और आवश्यक संसाधन व समय-सीमा संबंधी समायोजन पर चर्चा हुई।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यह भी कहा कि जनता तक योजनाओं के लाभ समय पर पहुंचे, इसके लिए भूमि-स्वीकृति, मंजूरी और वित्तीय निर्गम प्रक्रियाओं में अनावश्यक बाधाओं को हटाया जाए।अधिकारियों ने मंत्री को सभी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, आगामी प्राथमिकताएँ और अपेक्षित चुनौतियों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक समन्वय बढ़ाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से सकारात्मक और निर्णायक माहौल में संपन्न हुई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट साझा करें और आवश्यक होने पर फॉलो-अप बैठकों का आयोजन करें।

मां विंध्यवासिनी देवी धाम से मोदी के दीर्घायु और यशस्वी के लिए निकाली गई कीर्तन यात्रा

जय मां दुर्गा, जय मां तारा, दया माई कल्याण करो से गूंजा पूरा मंदिर परिसर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

विंध्याचल/मिर्जापुर। बुधवार को नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र के नेतृत्व में उनके आवास से मां विंध्यवासिनी देवी धाम तक भव्य कीर्तन यात्रा निकाली गई। सैकड़ों की संख्या में महिलाओं सहित भाजपा के पदाधिकारियों तथा सदस्यगण शामिल होकर भजन-कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल का नया कीर्तिमान स्थापित होने और 12 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में यह यात्रा निकाली गई। मंदिर में नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र जी ने दर्शन-

पूजन कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। कीर्तन यात्रा में नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र जी के साथ शामिल लोगों ने जय मां दुर्गा, जय मां तारा की जय जयकार लगाते हुए मंदिर पहुंचे थे पत्रकारों से वार्ता में विधायक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि मां विंध्यवासिनी के चरणों में प्रार्थना की गई कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को निरंतर मजबूती मिले। उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा और वैश्विक पटल पर नई पहचान बनाई है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से देश सशक्त हुआ है। इस दौरान उन्होंने 2047 तक देश के प्रधानमंत्री बने रहने के लिए भी कामना किए। पूजन के उपरांत मंदिर परिसर में मिष्ठान वितरण किया गया। उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों के अतिरिक्त मंदिर में आए हुए श्रद्धालुओं ने भी देश में सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। सभी ने प्रधानमंत्री के राष्ट्रहित में योगदान की सराहना करते हुए उनके दीर्घ सार्वजनिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में गौरव ऊमर, नितिन विश्वकर्मा, दीपा ऊमर, महेंद्र जायसवाल, शिवशंकर शर्मा, किशोर सैनी, संतोष जायसवाल, जय चौरसिया समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी भावेश शर्मा और श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान विंध्यधाम जयकारों से गूंजता रहा।

करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने किया मां विंध्यवासिनी का चरण दर्शन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। विंध्याचल मां विंध्यवासिनी श्री चरण मातृ स्पर्श करने से कई पीढ़ी तर जाती है। मां की महिमा अपार है। करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनी सिंह जनपद मिर्जापुर विंध्याचल मां विंध्यवासिनी दरबार दर्शन करने पहुंचे। करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनी सिंह जी अपने तीर्थ पुरोहित अंकितेश मिश्रा जी द्वारा।मंत्र उच्चारण से मां भगवती के श्री चरण का अर्चन पूजन कर सनातन धर्म के प्रति आस्था। एवं स्तंभ की उच्च कोटि शब्दों से संबोधित कर विंध्य कॉरिडोर निर्माण का भी प्रशंसा किया। उन्होंने कहा कि धर्म की जय जयकार हो हिंदुत्व का उत्थान हो निरंतर सुख शांति समृद्धि विश्व प्रदेश में बना रहे।मां विंध्यवासिनी से यही कामना किया करते हैं।

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 312 ने रचा इतिहास, 6.5 करोड़ की सेवा राशि समाज कल्याण को समर्पित

➲इलाहाबाद में आयोजित समारोह में पूरी टीम को मिला गोल्ड मेडल, इनर व्हील क्लब ऑफ बनारस का 5.5 लाख का योगदान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

प्रयागराज। इनर व्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 312 ने वर्ष 2025-26 के कार्यकाल में सेवा और समर्पण का नया इतिहास रचते हुए समाज कल्याण के विभिन्न कार्यों के लिए लगभग 6.5 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड सेवा राशि समर्पित की। यह उपलब्धि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिया नारायण के नेतृत्व में हासिल हुई, जिसमें डिस्ट्रिक्ट के 75 क्लबों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों के बावजूद डिस्ट्रिक्ट 312 ने सेवा कार्यों की गति को निरंतर बनाए रखा। इस दौरान जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक उत्थान से जुड़े अनेक कार्यक्रम संचालित किए गए। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में इनर व्हील क्लब ऑफ बनारस की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। क्लब ने डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट सुषमा सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न सामाजिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 5.5 लाख रुपये का योगदान दिया। क्लब द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान हेतु किए गए कार्यों की व्यापक सराहना की गई। प्रयागराज (इलाहाबाद) में आयोजित सम्मान समारोह में डिस्ट्रिक्ट 312 की इस उत्कृष्ट उपलब्धि को विशेष रूप से सराहा गया। सेवा कार्यों में उल्लेखनीय योगदान और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए पूरी टीम को गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रिया नारायण और सुषमा सिंह के नेतृत्व में किया गया यह कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण बनेगा।

पड़ोसी प्रथम भारत ने आपदा प्रबंधन के लिए म्यांमार को सौंपे आधुनिक उपकरण

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

यांगून। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यहां पुनर्निर्माण और नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत सरकार ने मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत ने म्यांमार को आधुनिक तकनीकी उपकरणों की दूसरी और अंतिम खेप आधिकारिक तौर पर सौंप दी है। यह सहायता भूकंप राहत और इमारतों के विस्तृत निरीक्षण के उद्देश्य से प्रदान की गई है। म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, यांगून में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान म्यांमार में भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने यह खेप फेडरेशन ऑफ म्यांमार इंजीनियरिंग सोसायटीज के अध्यक्ष यू खिन मौंग हते को सौंपी। इससे पहले गत 30 मार्च 2026 को भारत की ओर से इन तकनीकी उपकरणों की पहली खेप सौंपी गई थी। इस अंतिम खेप की आपूर्ति के साथ ही भारत द्वारा इस विशेष अनुदान सहायता पहल के तहत म्यांमार को दिए गए उन्नत इंजीनियरिंग उपकरणों की कुल संख्या अब 357 से अधिक हो गई है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा भारत द्वारा सौंपे गए इन विशेष उपकरणों में थर्मल इमेजिंग कैमरे, माइक्रोट्रेमर डिवाइस, प्रोफ़ोस्कोप, स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग सेंसर और आरटीके ड्रोन शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ये उपकरण भूकंप के बाद इमारतों की मजबूती जांचने, संरचनात्मक मूल्यांकन करने, भू-स्थानिक मानचित्रण करने और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत एवं आपदा प्रबंधन कार्यों को गति देने में बेहद कारगर साबित होंगे। दूतावास के अनुसार इस मदद से म्यांमार की आपदा प्रबंधन और भूकंप तैयारी क्षमताओं में अभूतपूर्व सुधार होगा। इससे न केवल म्यांमार में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए सटीक निर्णय लिए जा सकेंगे, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षात्मक क्षमता का निर्माण भी होगा। यह कदम आपदा प्रबंधन, जोखिम न्यूनीकरण और आपसी सहयोग के क्षेत्र में भारत और म्यांमार की गहरी और स्थायी रणनीतिक साझेदारी को एक नए स्तर पर ले जाता है। भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के तहत म्यांमार की विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर मदद करता रहा है। संकट के समय तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने से लेकर यहां के बुनियादी ढांचे के विकास तक, भारत हमेशा एक भरोसेमंद सहयोगी रहा है। भारत ने म्यांमार में स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारा है। आपदा प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपकरणों की यह ताज़ा आपूर्ति भी इसी निरंतर सहयोग का हिस्सा है, जो दर्शाता है कि भारत अपने इस पड़ोसी देश की स्थिरता, सुरक्षा और दीर्घकालिक विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से 59वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा सम्पन्न, आस्था और सेवा का बना दिव्य संगम

❑ डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में अब तक 8600 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए श्रीरामलला के दर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राम केवल आस्था नहीं, भारत की आत्मा हैं और सेवा ही वह मार्ग है, जो समाज को संस्कारों से जोड़ता है। इन्हीं भावनाओं के साथ सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा आयोजित 59वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा उसरी तिराहा, बंगला बाज़ार, सरोजनीनगर से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह पावन यात्रा श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कराने के साथ-साथ समाज को धर्म, संस्कृति, सेवा और सामाजिक समरसता के सूत्र में जोड़ने का एक प्रेरणादायी अभियान बन चुकी है। रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा का शुभारंभ 27 सितंबर 2022 को डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा अपनी स्वर्गीय माताजी श्रीमती तारा सिंह की पुण्य स्मृति में किया गया था। आधुनिक श्रवण कुमार की भावना से प्रेरित यह पहल वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालुओं को नि:शुल्क अयोध्या धाम ले जाकर श्रीरामलला, हनुमानगढ़ी एवं अन्य पवित्र स्थलों के दर्शन कराने का माध्यम बनी है। इस अभियान का उद्देश्य केवल तीर्थ दर्शन कराना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कारों और बुजुर्गों के सम्मान की परंपरा को सशक्त बनाना भी है। डॉ. राजेश्वर सिंह की प्रेरणा और मार्गदर्शन में संचालित इस पुण्य यात्रा के माध्यम से अब तक 150 बसों द्वारा 8600 से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू स्नान किया, हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया तथा प्रभु श्रीरामलला का आशीर्वाद प्राप्त किया। सरोजनीनगर परिवार के बुजुर्गों एवं श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरी यात्रा को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना के महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भोजन, जलपान, चिकित्सा सहायता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष प्रबंध किया गया। श्रद्धालुओं को गीता एवं प्रसाद भी वितरित किया गया। सेवा भाव, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय पूरी यात्रा में देखने को मिला, जिसने श्रद्धालुओं के अनुभव को और अधिक दिव्य एवं स्मरणीय बना दिया। डॉ. राजेश्वर सिंह के विचारों के अनुरूप रामरथ यात्रा का उद्देश्य केवल दर्शन कराना नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग, सेवा और राष्ट्रधर्म के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना भी है। यह यात्रा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपरा और संस्कारों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बन रही है। उनके सांस्कृतिक एवं सामाजिक सरोकारों के संकल्प के तहत यह अभियान समाज में आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक समरसता और सेवा भाव को निरंतर सशक्त कर रहा है। सरोजनीनगर परिवार के लिए यह यात्रा अब केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, बुजुर्ग सम्मान, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का जनआंदोलन बन चुकी है। प्रभु श्रीराम की कृपा सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे तथा आने वाले वर्षों में भी यह यात्रा आस्था, संस्कार और सेवा की अखंड ज्योति को निरंतर प्रवलित करती रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ के सहयोग से विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरहि हुआ माफियाओं के कब्जे से मुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस के लगातार असहयोग के बाद बुधवार को विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरही माफियाओं के कब्जे से मुक्त हुआ7 इस विद्यालय को माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराने में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का पूर्ण सहयोग रहा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं उपभोक्ता डा.आर.पी.मिश्र एवं जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया की एडीएम (नगर पूर्वी) के दिनांक 8 जून 2026 को विद्यालय को तत्काल खाली कराए जाने के आदेश के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार असहयोग किया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा पहले यह कहकर कब्जा नहीं दिलाया गया कि फोर्स के लिए निर्धारित शुल्क जमा किया जाना है जबकि उनसे कहा गया था कि लखनऊ इंटर कॉलेज के प्रकरण में एसीएम के आदेश के बाद वहां का ताला स्वयं पुलिस ने खुलवाया था और कोई शुल्क जमा नहीं किया गया था। आज उसी पुलिस ने कहा कि सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय से फोर्स के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह विलम्ब इसलिए किया गया था क्योंकि विपक्षी को माननीय उच्च न्यायालय जाने का मौका मिल जाए। विपक्षी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई किन्तु उनके पक्ष में कोई आदेश नहीं हुआ और आज का सुनवाई के लिए अगले सोमवार को लगा दी गई। ताला खुलवाने के लिए पहले पुलिस ने विद्यालय प्रबंधन को प्रातः 10~00 बजे का समय दिया था इसी के चलते प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा. आर.पी. मिश्र, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, विद्यालय की प्रबंधिका सहित प्रबंध समिति के पदाधिकारी/सदस्यगण तथा अभिभावक गण पहुंच गए थे किंतु टालते टालते लगभग 1~30 बजे पुलिस बल विद्यालय पहुंचा और उसके बाद ताला खुलवाकर कार्यवाही की गई। प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा. आर.पी. मिश्र और जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने संपूर्ण प्रकरण में लखनऊ के मीडिया के सहयोग को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी आवाज ने केंद्र सरकार तक को हिला दिया और इसीलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश से विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल नरही के प्रकरण के संबंध में आख्या मांगी गई है।

ज्येष्ठ के छठवें बड़े मंगल पर प्राचीन वरदानी हनुमान जी मंदिर तेलीबाग में सुंदरकांड पाठ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। तेलीबाग स्थित प्राचीन वरदानी हनुमान जी मंदिर पर ज्येष्ठ महा के छठे बड़े मंगल के अवसर पर सुंदरकांड पाठ और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। अमीत सिंह परिवार द्वारा प्राचीन वरदानी हनुमान जी के मंदिर में हर वर्ष की तरह मंदिर में पूजा अर्चना के साथ हनुमान जी को भोग समर्पित किया गया और विशाल भंडारे का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। कार्यक्रम में कई बड़े समाजसेवी और पत्रकारों ने भंडारे का प्रसाद का सेवा का पुण्य प्राप्त कर अपनी सहभागिता भी निभाई। भंडारे का प्रसाद दोपहर 12~00 बजे से रात्रि 10 बजे तक वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमीत सिंह के सहयोगियों अरुण कुमार वाल्मीकि, एडवोकेट आनंद यादव, पंकज सिंह, रोहित यादव, आकाश कुमार वाल्मीकि (गोलू), विपिन रावत, मोनू कनौजिया के साथ अन्य कई गणमान्य शामिल हुए।

मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल नहीं, बेरोजगारी और महंगाई के काल- अजय राय

➢ देश चौथी से छठी अर्थव्यवस्था बना, युवाओं के हाथ से रोजगार छीन राशन का झोला पकड़ा दिया

➢ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मोदी सरकार के 12 वर्षों को बताया विफलताओं, भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों का दौर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा द्वारा मनाए जा रहे 12 साल बेमिसाल अभियान पर तीखा हमला बोलते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मोदी सरकार के ये 12 वर्ष उपलब्धियों के नहीं बल्कि बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक संस्थाओं के पतन के रूप में याद किए जाएंगे। बुधवार को जारी बयान में अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए जश्न का सहारा ले रही है, जबकि सच्चाई यह है कि देश का नौजवान बेरोजगार, किसान परेशान और आम जनता महंगाई से त्रस्त है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही। देशभर में 90 से अधिक पेपर लीक हुए, जिनमें उत्तर प्रदेश में ही दो दर्जन से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाएं शामिल हैं। सरकार एक भी परीक्षा निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से सम्पन्न नहीं करा सकी। अजय राय ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ष 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन आज देश में बेरोजगारी पिछले 40 वर्षों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच चुकी है। सरकार ने लोगों के हाथों से काम छीनकर उन्हें राशन का झोला पकड़ा दिया। आज 80 करोड़ लोग मुफ्त राशन लेने को मजबूर हैं, जिनमें 16 करोड़ लोग अकेले उत्तर प्रदेश से हैं। उन्होंने दावा किया कि पहली बार भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था से गिरकर छठी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गया है और देश की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सोना बेचने जैसे फैसले देश की आर्थिक बदहाली को दर्शाते हैं। विदेश नीति पर हमला बोलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत की कूटनीतिक स्थिति कमजोर हुई है। जिस पाकिस्तान को कांग्रेस सरकार ने वैश्विक स्तर पर अलग-थलग कर दिया था, आज वही पाकिस्तान भारत से आगे दिखाई दे रहा है। महंगाई को लेकर अजय राय ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। किसान खाद के संकट और कालाबाजारी से परेशान हैं, जबकि आने वाले समय में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और वृद्धि होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि भाजपा की तथाकथित डबल इंजन सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और अब जनता खुद बदलाव चाहती है।

समाचार

घर पर वाटर प्रूफिंग कार्य दौरान पड़ोसी परिवार ने लाठी डंडों से किया हमला

घर की महिला से की अश्लीलता,मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर इलाके में सोमवार को एक पड़ोसी परिवार ने लेबर मजदूर समेत घर में मौजूद लोगों पर लाठी डंडों से हमला कर दिया इस दौरान घर की बहु संग अश्लीलता भी की, पीड़ित महिला की नामजद शिकायत पर कृष्णा नगर पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। कृष्णा नगर इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला का आरोप है कि सोमवार सुबह वह लेबर मजदूर द्वारा दिवाल पर वाटर प्रूफिंग का कार्य करा रही थी तभी मानस नगर न्यू आशुतोष नगर में रहने वाले चन्द्रशेखर उनकी पत्नी आशादेवी अपने बेटे सलिल सौपभ तथा पुत्री संध्या दीप ने अचानक गुम्मो तथा लाठी डंडो से हमला कर दिया और पीड़िता की पुत्रबधू को गंदी गंदी गालियाँ देते हुए अश्लील इशारे करने लगे । हमले से उनकी पुत्रवधू की मर्यादा पर आघात हुआ तथा अस्मिता भंग हुई और लेबरो को चोटे आई । पीड़िता की नामजद शिकायत पर कृष्णा नगर पुलिस ने सोमवार को आरोपित परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

11 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के आरोप में 15 वर्षीय बाल अपचारी संरक्षण में

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा । बंथरा थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 15 वर्षीय बाल अपचारी को संरक्षण में ले लिया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर 9 जून 2026 को थाना बंथरा में भारतीय न्याय संहिता तथा पॉक्सो एक्ट की धारा के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी बाल अपचारी पर 11 वर्षीय बालिका के साथ जबरन दुष्कर्म करने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद ने घटना के अनावरण के लिए दो विशेष टीमों का गठन किया था। विवेचना के दौरान 10 जून को पुलिस टीम ने ग्राम लतीफनगर में आरोपी किशोर को उसके घर के पास से संरक्षण में लिया। पुलिस का कहना है कि बाल अपचारी ने गंभीर प्रकृति का अपराध किया है, जिसके संबंध में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बच्चों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

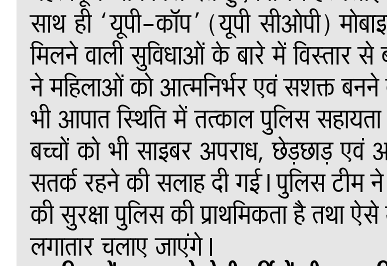

सरोजनी नगर। थाना सरोजनीनगर की मिशन शक्ति टीम द्वारा कस्बा गौरी क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही 'यूपी-कॉप' (यूपी सीओपी) मोबाइल एप के उपयोग और उससे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनने के लिए प्रेरित करते हुए किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए जागरूक किया। बच्चों को भी साइबर अपराध, छेड़छाड़ एवं अन्य अपराधों से बचाव के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है तथा ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

इमलिहा में 17 जून को होगी मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा मुख्यमंत्री योगी आमंत्रित।

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

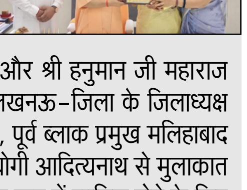

काकोरी। काकोरी के इमिलिहा गांव हरदोई रोड में आगामी 17 जून बुधवार को सायं 5रू00 बजे से भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होने जा रहा है। इस समारोह में श्री राधा कृष्ण जी, श्री दुर्गा माता और श्री हनुमान जी महाराज की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। भाजपा लखनऊ-जिला के जिलाध्यक्ष विजय मौर्य,जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह चौहान, पूर्व ब्लाक प्रमुख मलिहाबाद निशा सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए सादर निमंत्रण पत्र सौंपा है। अनिल सिंह चौहान ने बताया कि इस ऐतिहासिक समारोह में मलिहाबाद, काकोरी क्षेत्र के हजारों गणमान्य लोग और स्थानीय निवासी साक्षी बनेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्रवासियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करने का सविनय अनुरोध किया है।

राम देव धुरंधर के 81वाँ जन्म दिवस पर विशेष प्रस्तुति -राम राज भारती

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मॉरीशस/लखनऊ। भारतीय मूल के मारीशस में रहकर हिंदी साहित्य का सृजन करने वाले रामदेव धुरंधर का आज 81वाँ जन्मदिन है। आपका जन्म 11जून 1946 में हुआ था। आपका जन्म दिन लखनऊ में युवा उत्कर्ष साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश इकाई मना रही है। यह बताते चलें कि गिरमिटिया मजदूर के रूप में रामदेव धुरंधर जी के पूर्वज मारीशस गये थे, अपनी कुदाल एवं मेहनत से मारीशस की धरती को उपजाऊ बनाया। रामदेव धुरंधर ने भी पहले कुदाल उठाई फिर कलम उठाई।उन्होंने अपनी रचनाओं में गिरमिटिया मजदूर बनकर गए भारतीय श्रमिकों के अथक परिश्रम, दिक्कतें एवं बदलती पीढ़ी का चित्रण किया है। आपके चर्चित उपन्यासों में चेहरों का आदमी,पूछो इस माटी से,छोटी मछली बड़ी मछली, बनते बिगड़ते रिश्ते एवं पथरीला सोना हैं। पथरीला सोना उपन्यास आपकी अमर कृति है । कहानियों में विष मंथन, जन्म की एक भूल, व्यंग संग्रह में कलयुगी धर्म,चेहरों के झमेले, पापी स्वर्ग वंदे आगे भी देख, लघु कथा चेहरे मेरे तुम्हारे,यात्रा साथ साथ,एक धरती एक आकाश,जाते जाते लोग आदि।हिंदी साहित्य सेवा हेतु आपको अनेको सम्मान मिले हैं।

किसान सम्मान की मिसाल, धन्यवाद सभा में मुख्यमंत्री योगी और विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रति जताया आभार

● UPEID के अंतर्गत प्रदेश में सर्वाधिक मुआवजा मिलने पर किसानों ने पारित किया धन्यवाद प्रस्ताव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर क्षेत्र में आयोजित किसान धन्यवाद सभा किसान सम्मान, न्यायपूर्ण मुआवजे और विकास की नई सोच का प्रतीक बनकर उभरी। बड़ी संख्या में किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में आयोजित इस सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सरोजिनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रति किसानों ने सामूहिक आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि UPEI-DA के अंतर्गत सरोजिनीनगर के किसानों को प्रदेश में सबसे अधिक एवं सम्मानजनक मुआवजा मिलना सरकार की किसान हितैषी नीतियों और विधायक के सतत प्रयासों का परिणाम है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सिंह, प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान, एसीपी राजेश वर्मा, तहसीलदार एवं विधायक प्रतिनिधि इंजीनियर अजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पहले भूमि अधिग्रहण का नाम सुनकर किसान चिंतित हो जाता था, लेकिन आज विकास परियोजनाओं के साथ किसानों के सम्मान और अधिकारों की भी रक्षा की जा रही है। क्षेत्र में सर्किल रेट में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है और किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। सभा में वक्ताओं ने कहा कि विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किसानों की समस्याओं को लगातार शासन स्तर पर उठाया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। इसी का परिणाम है कि सरोजिनीनगर आज किसान सम्मान और विकास का आदर्श मॉडल बनकर सामने आया है। कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा कुमारी श्वेता गौतम को विधायक की ओर से लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। वहीं ग्राम गुदौली के दिवंगत किसान प्रताप सिंह के परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। किसानों ने विधायक की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि वे हर परिस्थिति में किसान परिवारों के साथ खड़े रहते हैं। इंजीनियर अजीत सिंह ने कहा कि डॉ. राजेश्वर सिंह ने किसानों की लड़ाई केवल सदन तक सीमित नहीं रखी, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर कानूनी स्तर पर भी किसानों का पक्ष मजबूती से रखा। सभा में उनके द्वारा कराए जा रहे चिकित्सा सहायता, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, राम रथ अभियान और सामाजिक विकास कार्यों की भी सराहना की गई। सभा के अंत में अखिल भारतीय किसान संघ एवं उपस्थित किसानों द्वारा सर्वसम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

17 शिक्षकों के चयन को मिली मंजूरी एआई नीति भी हुई स्वीकृत

➲ भाषा विवि की 40वीं कार्यपरिषद की बैठक सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की 40वीं कार्यपरिषद की बैठक बुलाई गयी। बैठक में विवि के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संस्थागत विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय विश्वविद्यालय की स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों में संविदा के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित रहा। कार्यपरिषद ने कुल 17 शिक्षकों के चयन का अनुमोदन दिया गया। चयनित शिक्षकों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में डॉ. सयैद असगर हुसैन रिजवी (सह आचार्य), सतेन्द्र शुक्ला, डॉ. पीयूष पाल, वीरेंद्र कुमार एवं उन्नीकृष्णनन शामिल हैं। कॉमर्स विभाग में डॉ. अनुभव तिवारी, डॉ. पूजा शुक्ला, डॉ. मृदुला सोनी तथा डॉ. उमाकांत का चयन अनुमोदित किया गया। व्यवसाय प्रशासन विभाग में डॉ. हिनादि अकबर, डॉ. रवि कुमार, डॉ. युसरा अहमद, डॉ. सुषमा, डॉ. सौरभ सोनकर एवं डॉ. शंतानु कुमार श्रीवास्तव के चयन को स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं सिविल इंजीनियरिंग विभाग में डॉ. श्रेया जादौन एवं आयुष कुमार के चयन को भी मंजूरी दी गई। बैठक में विश्वविद्यालय की प्रस्तावित कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उच्च शिक्षा में एआई के बढ़ते उपयोग और उसके प्रभावों को ध्यान में रखते हुए कार्यपरिषद ने शिक्षण, शोध, परीक्षा, मूल्यांकन एवं प्रशासनिक कार्यों में एआई के नैतिक, पारदर्शी, जिम्मेदार एवं प्रभावी उपयोग के लिए तैयार की गई नीति को स्वीकृति प्रदान की। परिषद ने माना कि यह नीति विश्वविद्यालय को तकनीकी नवाचार, डिजिटल दक्षता और भविष्य की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव विकास ने बताया कि कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा संस्थागत प्रगति को नई गति मिलेगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सिख समाज की चढ़दी कला अरदास, पीएम को बताया सिखों का सच्चा हितैषी

राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू बोले - सिखों को न्याय, सम्मान और धार्मिक आस्था से जुड़े ऐतिहासिक फैसले मोदी सरकार की देन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर केंद्री सिंह सभा समिति गुरुद्वारा आलमबाग द्वारा विशेष चढ़दी कला अरदास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिख समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सामूहिक अरदास की। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य एवं चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति सतनाम सिंह संधू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह 150 करोड़ भारतीयों के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिख समुदाय के सबसे बड़े हितैषी साबित हुए हैं। कांग्रेस सरकारों के दौरान सिख समाज को लगातार नजरअंदाज किया गया, जबकि मोदी सरकार ने सिखों को न्याय और सम्मान दिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, कानपुर सहित देश के कई हिस्सों में हुए सिख विरोधी दंगों के दोषियों को पिछली सरकारों ने करीब 30 वर्षों तक बचाने का काम किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोषियों को सजा दिलाकर सिख समाज से किया अपना वादा निभाया।सतनाम सिंह संधू ने कहा कि नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने के लिए लाल किले से उनके प्रकाश पर्व एवं समागम मनाने की घोषणा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समाज का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलना, हेमकुंट साहिब रोपवे परियोजना, छोटे साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाना जैसे ऐतिहासिक निर्णय सिख समाज की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा करने वाले कदम हैं। उन्होंने कहा कि 4,399 दिनों का कार्यकाल पूरा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्रियों में नया इतिहास रचा है। सिख संगत ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री की चढ़दी कला और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सफलता के लिए विशेष अरदास की। केंद्री सिंह सभा समिति गुरुद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह विशेष अरदास आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल ने साहिबजादा पार्क निर्माण कार्य में पूर्ण सहयोग देने और इसे शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में एमएलसी मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खरकवाल, पूर्व सभासद गिरीश मिश्रा, लखविंदर पाल सिंह घई, पियूष दीवान, प्रतिपाल सिंह गोल्डी, सनी आनंद, राजेंद्र सिंह बग्गा, सेंट जोसेफ स्कूल के प्रबंधक अनिल अग्रवाल, सेंट मिराज स्कूल के प्रबंधक विनोद रात्रा, गुरदीप सिंह राठी, मोनू बख्शी, गुरदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह सहित बड़ी संख्या में सिख संगत एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पौधरोपण भी किया गया।

संपादकीय

विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की। आज देश ने कच्चे तेल के खरीद के विकल्पों को विस्तार दिया है, जो संकटकाल में मददगार साबित हुए हैं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा आदि वैकल्पिक संसाधनों के लिए जो अभियान चलाए गए, उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश की आर्थिकी को संबल दिया। एक समय विपक्षी नेता पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने को लेकर आलोचना कर रहे थे, लेकिन यह फैसला मौजूदा ऊर्जा संकट में मददगार साबित हुआ। भारत एक विकासशील देश है, बड़ी आबादी जहां इसकी ताकत है, वहीं कमजोरी भी है। देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना जहां एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए पहल करने को भी रेखांकित करता है। हालांकि, कोरोना संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष और फिर ईरान अमेरिका-इस्राइल युद्ध के संकट से पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन राजग सरकार इन चुनौतियों का बखूबी मुकाबला करती नजर आई। इसके बावजूद मोदी सरकार की फिलहाल बेरोजगारी व महंगाई पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है, इस युवाशक्ति का देश हित में कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है, इसकी दृष्टि निश्चय ही प्रधानमंत्री के पास है। तभी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

भाजपा तोड़ रही तृणमूल

अब यह सरेआम, स्पष्ट हो चुका है कि भाजपा ही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ रही है। इसका यह साक्ष्य ही पर्याप्त है कि तृणमूल के 12-14 बागी सांसद केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के बंगाल प्रभारी भूपेन्द्र यादव के आवास पर इकट्ठा हुए। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी भी उस बैठक और विमर्श में शामिल थे। सोमवार शाम को मुख्यमंत्री सुवेन्दु बागी सांसदों की कथित उपनेता शताब्दी रॉय के आवास पर भी पहुंचे। वहां भी तृणमूल के बागी गुट से मुलाकात और सौदेबाजी हुई। हम सौदेबाजी इसलिए कह रहे हैं कि उन बैठकों में तय हुआ होगा कि आपको एनडीए का हिस्सा कैसे बनना है और अंततः भाजपा में कैसे शामिल होना है? कोई लालच या आकर्षण नहीं होगा, तो कोई भी विधायक या सांसद बगावत क्यों करेगा? असंतोष और बगावत किसी भी राजनीतिक दल में संभव है और इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा है। यह तोड़ा-फोड़ी की कवायद तब चल रही थी, जब तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में शिरकत कर रही थीं। दोनों स्थानों के बीच करीब 1.5 किलोमीटर का फासला होगा। ममता अपने सांसदों को पाला बदलने से रोक नहीं पाईं, क्योंकि भाजपा में बागियों को राजनीतिक भविष्य 'चमकीला' दिख रहा था। जिन सांसदों ने ममता बनर्जी की 15-साला सत्ता के दौरान 'मलाई' चाटी, ममता को देवी-तुल्य मानते रहे, ममता की पार्टी के चुनाव चिह्न और उनके राजनीतिक आह्वानों के सहारे चुनाव जीत कर लोकसभा में आए, आज वे तृणमूल को दलालों, चोरों, डकैतों और रेपिस्ट (बलात्कारी) की पार्टी करार दे रहे हैं। वाह! क्या संसदीय राजनीति है और दलबदल-विरोधी कानून है? बेशक यह कानून बागी गुट के दो-तिहाई सदस्यों को अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता की अनुमति देता है, लेकिन यह कानून भी लक्ष्यहीन और बेमकसद साबित हुआ है। यदि तृणमूल के सांसदों को टूटना ही था, तो वे भाजपा नेता के आवास पर क्यों गए? भाजपा नेता ने अघोषित आमंत्रण क्यों दिया था? मुख्यमंत्री भी संयोगवश नहीं पहुंचे। जाहिर है कि भाजपा नेतृत्व में ही तय हुआ है कि चुनाव में करारी शिकस्त के बाद तृणमूल को तोड़ा जाए, यह काम आसान होगा और एनडीए में एक घटक के तौर पर शामिल किया जाए। दरअसल भाजपा-एनडीए को संसद के दोनों सदनों में अपनी संख्या बढ़ानी है, ताकि उन संविधान संशोधन विधेयकों को आसानी से पारित किया जा सके, जिनके लिए सदन में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। प्राथमिकता परिसीमन बिल की है, जिसके आधार पर ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकता है। राज्यों से सांसदों की सीटें बढ़ाई जा सकती हैं। सत्ता पक्ष बीते संसद सत्र में यह बिल 54 मतों से पारित नहीं करा सका था। अब तृणमूल के 20 बागी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है कि उन्हें 'अलग गुट' के तौर पर मान्यता दी जाए। अब वे एनडीए का हिस्सा बनना चाहते हैं, लिहाजा बैठने की व्यवस्था भी उसी के अनुरूप की जाए। यह निर्णय स्पीकर को करना है, लेकिन मूल तृणमूल के नेता ऐसे प्रस्ताव पर 20 सांसदों के हस्ताक्षरों पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल हमारा बुनियादी सवाल यह है कि भाजपा तृणमूल के बिखराव को प्रश्रय क्यों दे रही है?

इंडिया गठबंधन की बैठक का संदेश–हम नहीं सुधरेंगे

"लोकसभा में संख्याबल के लिहाज से जितना मजबूत विपक्ष इस समय है, उतना पहले कभी नहीं रहा, लेकिन इसी के साथ हकीकत यह भी है कि विपक्ष जितना दिशाहीन और निस्तेज आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। यही वजह है कि सरकार अल्प बहुमत में होने के बाद भी जो चाहती है, वह कर गुजरती है और विपक्ष देखता रह जाता है"

अनिल जैन

Image posted by @yadavtejashwi

लोकसभा में संख्याबल के लिहाज से जितना मजबूत विपक्ष इस समय है, उतना पहले कभी नहीं रहा, लेकिन इसी के साथ हकीकत यह भी है कि विपक्ष जितना दिशाहीन और निस्तेज आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। यही वजह है कि सरकार अल्प बहुमत में होने के बाद भी जो चाहती है, वह कर गुजरती है और विपक्ष देखता रह जाता है। विपक्षी एकता का प्रदर्शन कभी-कभार संसद में तो दिख जाता है परन्तु सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों पर वह एकता आंदोलनात्मक कार्रवाई के रूप में सड़कों पर कभी दिखाई नहीं देती है। विपक्ष की यह दिशाहीनता और उदासीनता सोमवार को उसके इंडिया गठबंधन की बैठक में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर दो महीने पहले सरकार और भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देने के बाद हुई विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की बहुप्रतीक्षित बैठक काफी अहम मानी जा रही थी। उम्मीद की जा रही थी कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद चुनाव आयोग के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के एकतरफा फैसले और पश्चिम बंगाल व असम में चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका स्पष्ट रूप से देख लेने के बाद विपक्षी दल इस बैठक में इंडिया गठबंधन को व्यावहारिक आकार देंगे और सरकार को घेरने की कोई ठोस रणनीति व कार्यक्रम बनाएंगे। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। करीब ढाई घंटे तक चली बैठक में 25 दलों के नेताओं ने भाग लिया। ये 25 दल संसद में देश की लगभग 65 फीसदी जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिन्हें यह भी अच्छी तरह से अहसास होगा ही कि पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों और सरकार की अन्य जनविरोधी नीतियों व फैसलों के चलते जनता इस समय किन मुश्किलों का सामना कर रही है। बैठक में इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ किसी साझा आंदोलन का फैसला करने के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की गई कि वह आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाए। प्रधानमंत्री से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग अपने आप में हास्यास्पद तो है ही, यह उसकी नासमझी भी है।

सोचने वाली बात है कि विपक्ष उस प्रधानमंत्री से आर्थिक संकट पर सर्वदलीय बैठक बुलाने को कह रहा है, जिसने अमेरिकी दबाव में आकर दिशाहीन फैसले लेते हुए देश के समक्ष इस संकट को न्योता दिया है, जो अपने अहंकार के चलते विपक्ष के किसी सवाल का जवाब तक देना उचित नहीं समझता है और जो कभी सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं होता। सवाल है कि ऐसे प्रधानमंत्री के सामने यह मांग रख कर विपक्ष क्या हासिल करना चाहता है? विपक्षी नेताओं की बैठक में चुनावी धांधली और एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की मनमानी पर भी चिंता जताई गई पर इस सवाल पर भी किसी साझा आंदोलन की योजना की बनाने के बजाय सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखने का फैसला किया गया, जो कि किसी मजाक से कम नहीं है। सवाल है कि जिस प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने महीनों तक चली बहस और सुनवाई के बाद भी चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ एक नहीं सुनी, जो चीफ जस्टिस देश के बेरोजगार नौजवानों को कॉकरोच बता कर लंदन में गरमी की छुट्टियां मनाते हुए बेडमिंटन खेल रहे हैं, उन्हें अब आप पत्र में ऐसा क्या लिख देंगे जिससे उसकी अंतरात्मा जाग जाएगी और अपने संवैधानिक कर्तव्य याद आ जाएंगे? नीट और सीबीएसई की परीक्षाओं में हुई गंभीर गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी नेताओं ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है, लेकिन इसके लिए कोई अल्टीमेटम नहीं दिया गया है। मानो विपक्ष के मांग करने भर से शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे देंगे या मोदी उनसे इस्तीफा मांग लेंगे। विपक्ष से ज्यादा सटीक ढंग से तो यह मांग कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं ने सरकार से की है और इसके लिए एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। बहरहाल सवाल यह भी है कि अगर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो भी गया तो उससे क्या होगा? उनकी जगह किसी अन्य श्धर्मेंद्र प्रधानश् को शिक्षा मंत्री बना दिया जाएगा। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण घटक रहा है, लेकिन उसने कांग्रेस से अपनी नाराजगी के चलते गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। यही नहीं, उसने लोकसभा में कांग्रेस के साथ बैठने से इनकार करते हुए अपने 22 सदस्यों के बैठने के लिए अलग व्यवस्था करने का अनुरोध भी स्पीकर से किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके को मनाने और उसे फिर से साथ में लाने पर चर्चा होनी चाहिए थी लेकिन नहीं हुई। इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक पत्र लिख कर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए सीपीएम और भाजपा के बीच सौदेबाजी के आरोप और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से वहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर सख्त आपत्ति और नाराजगी जताई। सीपीएम महासचिव ने अपने पत्र में कहा कि उनकी पार्टी ऐसे बेबुनियाद आरोपों को हल्के में नहीं ले सकती क्योंकि यह भाजपा के खिलाफ बनी विपक्षी एकता की बुनियाद पर हमला है।

तेल के बदले एथेनॉल: समाधान जब समस्या बन जाए?

निलेश देसाई

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध, वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने दुनिया को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव के बीच भारत में इन दिनों एथेनॉल ब्लेंडिंग (पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण) को ऊर्जा सुरक्षा के एक बड़े समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। गन्ना, मक्का, चावल जैसी स्टार्च वाली फसलों से बनाया जाने वाला श्एथिल अल्कोहलश् या एथेनाल पहली दृष्टि में देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयातित तेल पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, भूमि और खाद्य-सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं? इतिहास की चेतावनी-मौजूदा विकास के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए जल्दबाजी में कोई नीति लागू की गई, वह कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गई। आज एथेनॉल के संदर्भ में भी हमें इसी ऐतिहासिक अनुभव से सीखने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां तत्कालीन समस्याओं के समाधान ने भविष्य के लिए नई चुनौतियों को जन्म दिया। हरित क्रांति-साठ और सत्तर के दशक में देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। रासायनिक उर्वरकों, संकर बीजों और अत्यधिक सिंचाई पर आधारित हरित क्रांति ने तत्कालीन भूख की समस्या का समाधान किया और भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, किंतु आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जैव-विविधता के क्षरण, रासायनिक प्रदूषण और भूजल-दोहन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे जा चुका है। नलकूप क्रांति-किसानों को मानसून की अनिश्चितता से बचाने के लिए नलकूपों और भूजल आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित किया गया। कुछ दशकों बाद स्थिति यह है कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा दोहनकर्ता बन गया है और अनेक क्षेत्र डार्क जोन घोषित किए जा चुके हैं। आज एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी यही प्रश्न हमारे सामने खड़ा है। क्या हम ऊर्जा सुरक्षा की खोज में जल-सुरक्षा और खाद्य-सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं? आंकड़ों के पीछे छिपा जल संकट-भारत में वर्तमान में मुख्यतरू पहली पीढ़ी (1जी) के एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना, चावल और जीएम (जीनेटिकली मॉडीफाइड) मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग किया जा रहा है। ये फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं। एक लीटर चावल आधारित एथेनॉल उत्पादन के लिए लगभग 10,790 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी खर्च होता है। एक लीटर जीएम मक्का आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। भारत के अनेक राज्य पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में ज्यादा पानी वाली फसलों को ईंधन उत्पादन के लिए बढ़ावा देना दीर्घकालिक दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। खेती की विविधता का क्षरण-भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है जिस पर वे अपने भोजन एवं अन्य जरूरत की फसलें लेते हैं। एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और बाजार के आकर्षण ने खेती के इस स्वरूप में तेजी से बदलाव लाना शुरू कर दिया है। परंपरागत रूप से किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप से अपनाता था। इससे खाद्य-सुरक्षा सुनिश्चित होती थी। आज नकदी फसलों और एकल खेती के विस्तार के कारण किसान स्वयं अपने भोजन के लिए बाजार पर निर्भर होता जा रहा है। बीज संप्रभुता का संकट-देशी बीजों की परंपरा लगातार कमजोर हो रही है। किसान अब बाजार आधारित संकर बीजों, रासायनिक उर्वरकों और बाहरी आदानों पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ती है और किसानों की ऋणग्रस्तता गहराती है। ग्रामीण समाज में अड़जी-पड़जी जैसी परंपराएं, जिसमें लोग एक-दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे, धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही हैं। यंत्रीकरण और व्यावसायिक खेती ने सामुदायिक संबंधों को कमजोर किया है। भोजन बनाम ईंधन-एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर प्रश्न भोजन बनाम ईंधन का है। जब उपजाऊ भूमि और खाद्य फसलें वाहनों के लिए ईंधन उत्पादन में लगाई जाएंगी, तो खाद्य-सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि किसान अधिक लाभ के कारण दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर एथेनॉल की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को दालों और खाद्य तेलों के आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसे में हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा देंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा लेंगे। इससे न तो वास्तविक आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी और न ही संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होगा। ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे जल, भूमि और खाद्य-सुरक्षा की कीमत पर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए कुछ वैकल्पिक और दूरदर्शी कदम आवश्यक हैं। एथेनॉल उत्पादन को कृषि अपशिष्ट, जैविक कचरे और दूसरी पीढ़ी (2जी) के बायोफ्यूल तक सीमित किया जाए। गांव स्तर पर विकेंद्रीकृत बायोगैस और जैव-ऊर्जा मॉडल विकसित किए जाएं। ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी और रागी जैसी कम पानी वाली मोटे अनाज की फसलों को प्रोत्साहित किया जाए। जल उपयोग, खाद्य-सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों का समग्र मूल्यांकन किए बिना किसी भी विस्तारवादी नीति को लागू न किया जाए। नीति निर्माण में किसानों, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और नागरिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि या आयात बिल में कमी नहीं है। विकास वह है जो प्रकृति, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करे।

मेष:- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।
बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।
मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।
कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।
सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।
कन्या:- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।
तुला:- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।
वृश्चिक:- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।
धनु:- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।
मकर:- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।
कुंभ:- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।
मीन:- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

इंडिया गठबंधन में दरारें: एकता बनाम बिखराव

पूनम आई. कौशिश

दलबदल, आहत अहंकार और टूटी वफादारी के इस दौर में, हालिया राज्य चुनावों में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा की हार और निराशा के कारण विपक्ष के 'इंडिया' ब्लॉक में दरारें और गहरी हो गईं। कल 25 विपक्षी दलों की बैठक में अंदरूनी मतभेद और तनाव और बढ़ गए। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों पर भाजपा-विरोधी रुख बनाए रखने के बावजूद गठबंधन की एकता बहुत कमजोर स्थिति में है। यह सब राहुल गांधी के 'एकजुट रहने पर हम टिके रहेंगे, बंटने पर गिर जाएंगे' के आह्वान के बावजूद हो रहा है। निश्चित रूप से, गठबंधन में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका पर दबाव बढ़ा है और कुछ सहयोगी दल खुले तौर पर उसके रवैए पर सवाल उठा रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई, जब द्रमुक ने घोषणा की कि वह लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के साथ जगह सांझा करने को तैयार नहीं, जिसने द्रमुक से संबंध तोड़कर विजय की टी.वी.के. से हाथ मिलाया और तमिलनाडु में उनकी सरकार का हिस्सा बनी। आम आदमी पार्टी और विजय की टी.वी.के. भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। जहां झामुमो झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने से नाराज है, वहीं माकपा ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन पर हमलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। पश्चिम बंगाल में ममता की तृणमूल कांग्रेस और संसद में बागी संकट के बीच, जहां 59 विधायक और 20 सांसद अलग हो गए हैं, वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे की राह तय करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, क्योंकि उनका राजनीतिक अस्तित्व संवैधानिक सत्ता बनाए रखने पर टिका है। कांग्रेस भी तृणमूल कांग्रेस के संकट पर नजर रखे हुए है। तृणमूल कांग्रेस का मामला उन क्षेत्रीय दलों के लिए पीढ़ीगत संकट को उजागर करता है, जिन्होंने पिछले 3 दशकों में करिश्माई नेताओं की बदौलत असाधारण सफलता हासिल की थी, लेकिन अब वे अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है।

राजद, बीजद, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और द्रमुक जैसी पार्टियां, जो एक मजबूत नेता के इर्द-गिर्द एकजुट होकर बची रहीं, आज उनके सामने एक कठिन विकल्प है, या तो किसी चुने हुए उत्तराधिकारी को कमान सौंपकर बगावत को न्यौता दें, या फिर अपने संस्थापक परिवारों से किनारा कर पार्टी के बिखरने का जोखिम उठाएं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते, क्षेत्रीय पार्टियों को संसद में परिसीमन, संघवाद और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर उसके साथ तालमेल बिठाना होगा। हालांकि, साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां अधिक मुखर भी हो रही हैं। द्रमुक का अलग होना और माकपा की सार्वजनिक आलोचना यह दिखाती है कि सहयोगी दल अब कांग्रेस को गठबंधन के निर्विवाद नेता के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, राज्य-स्तरीय प्रतिद्वंद्विताएं भी अनसुलझी हैं। कांग्रेस केरल में माकपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सीधे मुकाबले में है। उत्तर प्रदेश में उसकी और समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं और अन्य जगहों पर भी सहयोगियों के साथ उसका टकराव है। इस प्रकार, ये विरोधाभास हमेशा से गठबंधन की संरचनात्मक कमजोरी रहे हैं। जहां तक पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिलेश की सपा या लालू की राजद की बात है, तो गठबंधन को जीवित रखने के लिए उनके पास सबसे मजबूत कारण हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में विपक्ष की एकता पर काफी हद तक निर्भर है, जहां वह कांग्रेस और ठाकरे की शिव सेना (उद्धव) के साथ मिलकर काम करती है। पवार ने ऐतिहासिक रूप से गठबंधन तोडने वाले की बजाय गठबंधन बनाने वाले की भूमिका निभाई है। सपा को कांग्रेस के साथ तालमेल से बार-बार फायदा हुआ है और वह गठबंधन की केंद्रीय हस्तियों में से एक बनी हुई है। राजद के लिए, राजग के खिलाफ कांग्रेस एक जरूरी सहयोगी है, क्योंकि अलग होने से बिहार में विपक्ष कमजोर हो जाएगा। आगे की बात करें तो 3 मुख्य संभावनाएं हैं-पुनर्गठन, न कि पूरी तरह खत्म होना-भले ही कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी हुई है, लेकिन सपा, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झामुमो जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आजादी चाह सकती हैं। दूसरी, एक ढीला-ढाला संसदीय मोर्चा-पार्टियां संसद के अंदर तो तालमेल बनाए रखें लेकिन राज्य चुनावों में अलग-अलग लड़ें। तीसरी, क्षेत्रीय पाध्टयां ऐसे गठबंधन ढांचे की मांग के लिए एकजुट हो सकती हैं जो कांग्रेस पर कम केंद्रित हो। मामला है, न कि 'बिखराव में एकता' वाला। क्या यह एक सार्थक राष्ट्रीय गठबंधन के तौर पर टिक पाएगा, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कांग्रेस द्रमुक, माकपा, झामुमो, और तृणमूल कांग्रेस के साथ रिश्ते सुधार सकती है और गठबंधन को बनाए रखने के लिए मोदी के नेतृत्व वाले राजद को चुनौती देने के एक सांझा लक्ष्य पर कायम रह सकती है? साफहै कि विपक्ष को ऐसी भाषा और तरीका खोजना होगा, जो भाजपा की कुशलता, अलग-अलग आवाजों को उठाने की क्षमता, चुनाव लडने की जबरदस्त मशीनरी और उन संसाधनों का मुकाबला कर सके, जिनके दम पर वह अपनी संचार-प्रधानता और छवि बनाए रखती है। निश्चित रूप से, आने वाले दिनों में नैरेटिव कैसे आगे बढ़ता है, इस पर नजर रहेगी।

मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर संजय सिंह ने गिनाई उपलब्धियां, बोले जनता को मिली बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक और बुलडोजर की सौगात

■ 12 साल में काला धन खत्म नहीं हुआ बल्कि भ्रष्टाचार और काले धन में कई गुना वृद्धि हुई - संजय सिंह ■ दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा करने वाली सरकार युवाओं को नौकरी नहीं, 93 पेपर लीक दे सकी - संजय सिंह ■ किसानों को फसल का दाम नहीं मिला, मांग करने पर लाठियां और अपमान मिला - संजय सिंह ■ पक्का मकान देने का वादा करने वाली भाजपा ने देशभर में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलवाया - संजय सिंह ■ लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाना मोदी सरकार की सबसे बड़ी पहचान बन गई है - संजय सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गोदी मीडिया, अंधभक्त और भाजपा नेता भले ही इस अवसर को उत्सव की तरह मना रहे हों, लेकिन देश की जनता को यह देखना चाहिए कि इन 12 वर्षों में उसे वास्तव में क्या मिला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, किसानों की बदहाली, लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग, बुलडोजर राजनीति और कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने की नीति रही है। उन्होंने कहा कि जिन वादों के आधार पर भाजपा सत्ता में आई थी, उनमें से एक भी

वादा पूरा नहीं हुआ और देश का आम नागरिक आज पहले से अधिक संकट में है।संजय सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से वादा किया था कि विदेशों से काला धन वापस लाया जाएगा, भ्रष्टाचार समाप्त होगा और प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रुपये आएंगे। लेकिन आज स्थिति यह है कि काला धन और भ्रष्टाचार दोनों में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का दावा किया गया था, जिसके अनुसार करोड़ों युवाओं को अब तक रोजगार मिल जाना चाहिए था, लेकिन आज बेरोजगारी अपने चरम पर है और युवाओं का भविष्य लगातार अंधकारमय होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यदि किसी चीज को कहा जा सकता है तो वह पेपर लीक है। पिछले वर्षों में 93 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में भी धांधली और पेपर लीक के आरोप लगे, जिससे करोड़ों छात्रों और उनके परिवारों का भविष्य प्रभावित हुआ। भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और अब उनकी मेहनत और सपनों पर भी लगातार चोट पहुंचा रही है। श्री सिंह ने कहा कि किसानों से फसल का दाम दोगुना करने का वादा किया गया था, लेकिन आज तक किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिला। जब किसान अपने अधिकार और फसल का दाम मांगते हैं तो उन्हें सम्मान नहीं बल्कि लाठियां मिलती हैं। खाद की बोरी मांगने पर भी किसानों को अपमान और उत्पीड़न झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के हितों की लगातार उपेक्षा की है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक सभी को पक्का मकान देने का वादा किया था, लेकिन जनता को पक्का मकान नहीं मिला बल्कि बुलडोजर जरूर मिला। दिल्ली में पूर्वांचल और बिहार के हजारों लोगों के घर उजाड़े गए। मद्रासी कैंप को ध्वस्त किया गया। काशी और अयोध्या में भी पुरातन मंदिरों तथा आम लोगों के घरों को तोड़ा गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धि यह है कि उसने गरीबों और कमजोर वर्गों को आवास नहीं बल्कि बेघर होने का दर्द दिया। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं कहा करते थे कि जब रुपया गिरता है तो देश की प्रतिष्ठा गिरती है। आज भारतीय मुद्रा की कीमत लगातार कमजोर हुई है 97 रुपए का .1 हो गया और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़े हैं। उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं में कटौती हुई है 12 सिलेंडर की जगह अब महेश चार सिलेंडर उपभोक्ता के हिस्से में रह गए और रसोई से लेकर परिवहन तक हर क्षेत्र में महंगाई का बोझ जनता पर डाला गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में ईडी, सीबीआई और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया गया। विपक्षी दलों को तोड़ने, लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। यह लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है। संजय सिंह ने कहा कि अग्निवीर योजना के माध्यम से देश की सीमाओं और सुरक्षा व्यवस्था के साथ समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि देशवासियों को नोटबंदी की त्रासदी भी याद रखनी चाहिए 7 संजय सिंह ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में लगभग 17 लाख करोड़ रुपये के बड़े कॉरपोरेट कर्ज़ों को माफ किया और देश के संसाधनों को कुछ चुनिंदा उद्योगपति मित्रों(अडानी) के हवाले कर दिया। उन्होंने कहा कि कोयला, गैस, बिजली, बंदरगाह, हवाई अड्डे और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक ही कारोबारी समूह अडानी को लाभ पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां देश के आम नागरिकों के लिए नहीं बल्कि अपने मित्र उद्योगपतियों के लिए बनाई गई प्रतीत होती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के 12 वर्षों का मूल्यांकन करते समय जनता को केवल प्रचार और विज्ञापनों पर नहीं बल्कि वास्तविक परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए। देश की जनता को बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की बदहाली, पेपर लीक, लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग और बढ़ती आर्थिक असमानता को याद रखना चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री कम और अपने मित्रों के हितों के संरक्षक अधिक दिखाई देते हैं, इसलिए जनता को उनकी उपलब्धियों के साथ-साथ उनकी नाकामियों का भी ईमानदारी से आकलन करना चाहिए।

उन्नाव में ओवरलोड वाहनों और यातायात नियम तोड़ने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 6.18 लाख रुपये राजस्व वसूला

उन्नाव। मुख्यमंत्री के निर्देश तथा जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में जनपद उन्नाव में ओवरलोड वाहनों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। गठित टास्कफोर्स द्वारा 8 एवं 9 जून को दही चौकी, बक्सर तथा गंगाघाट थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वाहनों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 190 वाहनों की जांच की गई। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 9 वाहनों को बंद (सीज) किया गया, जबकि 16 वाहनों के चालान किए गए। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी व्यापक कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 25 चालकों, बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने वाले 15 चालकों, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले 4 चालकों, रॉन्ग साइड वाहन चलाने वाले 4 चालकों

तथा मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने वाले चालकों के खिलाफ चालान एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई की गई। अभियान में परिवहन विभाग एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। अधिकारियों द्वारा ओवरलोडिंग और नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए करीब 6.18 लाख रुपये का राजस्व वसूला गया। यह कार्रवाई सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अवैध परिवहन गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन संजीव कुमार सिंह, खनन अधिकारी मनीष कुमार तथा यात्री मालकर अधिकारी विनय पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ओवरलोड वाहनों, बिना नंबर प्लेट चलने वाले वाहनों, बिना रिफ्लेक्टर के संचालित वाहनों तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए और यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित एवं सुचारु बन सके।

मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में चलें डंडे तीन घायल

सीतापुर। इलाके के नटपुरवा में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में चलें डंडे तीन लोग घायल। बताते चलें कि परवीन निवासी नटपुरवा ने अटरिया पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते सोमवार को खेत में बकरी चली जाने पर विपक्षी अवधेश सलमान समीर आए और पीड़ित की पुत्री ललिता व उर्मिला देवर पप्पू को जमकर लाठी डंडों से पीट कर गंभीर रूप से ज़ख्मी कर दिया सभी घायलों का कुंवरपुर अस्पताल में इलाज करवाया। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हिन्द अस्पताल के पास फैला अवैध अतिक्रमण दे रहा हादसों को दावत, प्रशासन मौन

अटरिया। हिन्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (हिन्द अस्पताल) के मुख्य गेट और उसके आसपास इन दिनों अवैध अतिक्रमण ने पैर पसार लिए हैं। अस्पताल के ठीक सामने और आस-पास अवैध रूप से सजी दुकानों, ठेलों और बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण यहाँ हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। यह अवैध अतिक्रमण यहाँ आने वाले मरीजों और आम राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुका है और लगातार बड़े हादसों को दावत दे रहा है।

अस्पताल के आस-पास पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ तो दूर, सड़क पर भी जगह नहीं बची है। तेज रफ्तार वाहनों के बीच से होकर लोगों को गुजरना पड़ता है, जिससे हर पल किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई बार यहाँ छोटे-मोटे हादसे हो भी चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय लोगों और तीमारदारों का कहना है कि हिन्द अस्पताल में रोजाना सैकड़ों की संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं।स्थानीय प्रशासन की इस अनदेखी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। अस्पताल के पास बनी दुकानों के आगे अवैध रूप से कौशल गुप्ता चाट की दुकान लगाये बैठे हैं, उनके साथ साथ अन्य व्यापारी भी अपनी दुकानें सजाए हुए है! कई बार हादसों के बाद भी एनएचएआई हाथ पे हाथ धरे बैठा है!

सपा अध्यक्ष की बेटी पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ युवजन सभा में आक्रोश

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र सजेती थाने में युवजन सभा के नेताओ और कार्यकर्ताओ ने यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव की बेटी के ऊपर लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से हो रही अभद्र टिप्पणियों आदि को लेकर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करने के लिए थाना सजेती में शिकायत पत्र सौंपा। इस दौरान मुख्य रूप से रोहित कुशवाहा युवजन सभा अध्यक्ष घाटमपुर, बलवान यादव अध्यक्ष लोहिया वाहिनी, चौधरी रामवीर सिंह महामंत्री युवजन सभा, आभास निषाद ब्लॉक अध्यक्ष, शाहिद रज़ा विधानसभा उपाध्यक्ष युवजन सभा, नादिर अहमद, राज विश्वकर्मा, मोइन खान मीडिया प्रभारी युवजन सभा व अन्य नेता एवम कार्यकर्ता मौजूद रहे !!

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरगांव में संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पी0एम0एस0एम0ए0) का औचक कर देखीं व्यवस्थाएं

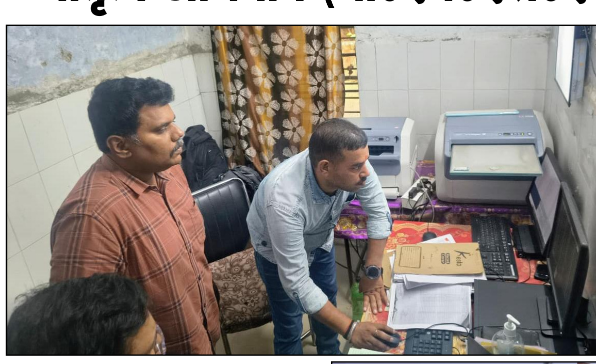

सीतापुर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरगांव में संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पी0एम0एस0एम0ए0) का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उक्त अभियान के अन्तर्गत आयी हुयी गर्भवती महिलाओं से वार्ता करते हुये उनकी टीकाकरण संबंधी पुस्तिका का अवलोकन किया। प्रभारी चिकित्साधिकारी से प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत की गयी तैयारियों के विषय में जानकारी

ली। जिलाधिकारी ने ब्लड प्रेशर मशीन का अवलोकन किया, जहां ब्लड प्रेशर मशीन खराब दशा में पायी गयी। गर्भवती महिला की टीकाकरण पुस्तिका देखा, जिसमें महिला का टीकाकरण नही पाया गया तथा वहां के उपकरणों को देखा व चिकित्सकों से वार्ता करते हुये ब्लड प्रेशर मशीन सही न होने पर कड़ी फटकार चिकित्सकों को लगायी। कार्यों में रूचि एवं अन्य कमियां पाये जाने पर एच0ई0ओ0 15 दिन का वेतन एवं अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। साथ ही इस लापरवाही पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश दिये व अभियान के अन्तर्गत त्वरित चिकित्सकों का 15 दिन का वेतन रोके जाने के निर्देश संबंधित को दिये। तदोपरान्त जिलाधिकारी ने एक्सरे कक्ष पहुंचकर मशीन को देखा। एक्सरे फिल्म न होने की दशा में पूछे जाने पर कोई सही जवाब नहीं दिया गया तथा एक्सरे किये गये किसी भी मरीज का मोबाइल नम्बर न होने पर संबंधित कर्मचारी पर अनुशासनिक कार्यवाही के साथ अग्रिम आदेशों तक वेतन रोके जाने के निर्देश दिये।

अखिलेश यादव ने ताइक्वांडो चैंपियनशिप के विजेताओं को किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को राज्य मुख्यालय, लखनऊ में ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के विजेताओं को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। तीसरी स्वामी विवेकानंद ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप मथुरा-वृंदावन में 5, 6, 7 जून 2026 को हुई थी। इसमें सिद्धार्थनगर के देवम पासवान को स्वर्ण पदक, डुमरियागंज के श्री समर वर्मा को कांस्य पदक मिला है। कपिलवस्तु के राजेश यादव और प्रिया जायसवाल को भी कांस्य पदक मिला है। इस अवसर पर बांसी सिद्धार्थनगर के ताइक्वांडो कोच दिलीप कुमार पासवान भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड बनने पर खुशी का माहौल 10 जून को होंगे विभिन्न कार्यक्रम

10 जून को स्वच्छता अभियान, मंदिरों में पूजन एवं सेवा कार्यों का होगा आयोजन

वाराणसी । आज दिनांक 08 जून को भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय गुलाब बाग पर एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व प्रतिष्ठा अर्जित की है। प्रधानमंत्री मोदी का सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने का कीर्तिमान केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की जनता के अटूट विश्वास, सुशासन और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 10 जून को आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम जनसेवा, स्वच्छता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को समर्पित होंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जनता के बीच प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक कार्यों और उपलब्धियों को पहुंचाने का कार्य करें। महानगर अध्यक्ष

ने कहा कि काशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के नाते इस गौरवपूर्ण अवसर को सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाएगी। बैठक में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री पद पर कार्यरत रहने का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करने के उपलक्ष्य में दिनांक 10 जून को आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारी की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि 10 जून को प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का काशी आगमन होगा। कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रातः 6:00 बजे अस्सी घाट, शास्त्री घाट, नमो घाट तथा सेवा बस्ती मलदहिया सहित विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 8:00 बजे काशी के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन का आयोजन किया जाएगा। जिनमें श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर (भेलूपुर), रेवड़ी तालाब स्थित मंदिर तथा महावीर मंदिर अर्दली बाजार शामिल हैं। इसके उपरांत प्रातः 10:00 बजे से विभिन्न अस्पतालों, वृद्धाश्रमों एवं सेवा संस्थानों में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रमुख स्थलों में वृद्धाश्रम रामनगर, माता आनंदमयी अस्पताल, काशी अनाथालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय, आयुर्वेद कॉलेज, दुर्गाकुंड वृद्धाश्रम, कुष्ठ आश्रम संकटमोचन तथा शिवप्रसाद गुप्त चिकित्सालय कबीरचौरा शामिल हैं। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिला अध्यक्ष रामसकल पटेल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, अनिल राजभर, हंसराज विश्वकर्मा, विधायक नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह एवं विधायक प्रतिनिधि अदिति पटेल सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु विधानसभा वार संयोजकों की नियुक्ति की गई। इनमें प्रमुख रूप से अशोक पटेल, राहुल सिंह, अभिषेक मिश्रा, गीता शास्त्री, मधुप सिंह, किशन कनौजिया, सोमनाथ यादव, अनुराग शर्मा, जितेंद्र पटेल, राजेश कुशवाहा, प्रीति सिंह, मुकेश गुप्ता, जगदीश त्रिपाठी, नवीन कपूर, मधुकर चित्रांश, आत्मा विश्वेश्वर, साधना वेदांती, रविशंकर केसरी, दिलीप साहनी, नीरज जायसवाल, विवेक मौर्य, बबलू सेठ, तारकेश्वर नाथ गुप्ता एवं राजीव सिंह को दायित्व सौंपा गया। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से कार्यक्रमों को भव्य, अनुशासित एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाने का आह्वान किया गया।

डीएम ने परीक्षा केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

सीतापुर। आज दूसरे दिन आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2026 के अंतर्गत आयोजित परीक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल जायजा लेने बिड़ला विद्या मंदिर इण्टर कालेज, हरगांव पहुंचे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के दृष्टिगत परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त मात्रा में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा के साथ किया जाए। उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये संबंधित

अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये।

बालिका शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, व्यक्तित्व एवं कौशल विकास पर रहेगा विशेष फोकस

शुक्लागंज, उन्नाव। सरस्वती विद्या मंदिर, गोपीनाथपुरम, शुक्लागंज में मंगलवार को पंचदिवसीय बालिका शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग-2026 का भव्य शुभारंभ सायं 5 बजे मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन एवं व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख उमाशंकर ने कहा कि वर्तमान समय में बालिकाओं के समक्ष अनेक सामाजिक एवं नैतिक चुनौतियां उपस्थित हैं। ऐसे में इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग बालिकाओं को आत्मविश्वासी, संस्कारित एवं सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण वर्ग में बालिकाओं को कौशल विकास, व्यवहारिक जीवन के अनुभव, नेतृत्व क्षमता, आत्मरक्षा, सामाजिक दायित्वों एवं व्यक्तित्व निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में बालिकाओं की समस्याओं के समाधान हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से कुछ अराजक तत्व बालिकाओं को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में यह प्रशिक्षण वर्ग उन्हें सही दिशा एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगा। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि समय-समय पर समाज की आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय अपेक्षाओं के अनुरूप विद्या भारती ने अपने लक्ष्यों एवं कार्ययोजनाओं में सकारात्मक परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है तथा संस्कारयुक्त शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने कराया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती रचना सिंह ने किया, जबकि अंत में क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका श्रीमती निधि द्विवेदी ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सीतापुर संभाग निरीक्षक अवरीश, विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार, विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं, प्रशिक्षण वर्ग में सहभागिता करने वाली बालिकाएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, अनुशासन एवं राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत रहा।

33 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

आबकारी विभाग व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

उन्नाव। जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 33 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में जनपद में अवैध शराब के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन तथा संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन एवं उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के मार्गदर्शन में सोमवार को विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्रतिभा सिंह, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 बीघापुर ने अपने हमराह स्टाफ एवं स्थानीय पुलिस बल के साथ तहसील बीघापुर के थाना बिहार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राम नन खेड़ा तथा भगवंत नगर बाजार में सघन दबिश दी। छापेमारी के दौरान कुल 33 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान सरोजिनी पत्नी स्वर्गीय संतोष, जीतेंद्र पुत्र स्वर्गीय संतोष गेंदालाल तथा गुड्डी पत्नी स्वर्गीय गंगा प्रसाद निवासीगण ग्राम राम नन खेड़ा, थाना बिहार को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना बिहार में उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी ने कहा कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण, भंडारण या बिक्री की सूचना मिलने पर तत्काल प्रशासन अथवा आबकारी विभाग को अवगत कराएं, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

गैंगस्टर एक्ट में दोषी को 8 वर्ष का कठोर कारावास की सजा

➲ दोषी पर लगा पांच हजार रूपये का अर्थदण्ड

बांदा। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने बताया कि जनपद के थाना कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर सिंह ने 29 जनवरी 2010 को तहरीर दी जिसमें अभियुक्त रियाजुद्दीन पुत्र रमजान निवासी थाना मौदहा, हमीरपुर को दोषी पाते हुए सजा सुनाई ! इसका एक संगठित गिरोह है जिनके विरुद्ध थाना कोतवाली नगर में धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किए जाने के फलस्वरूप अपर सत्र विशेष न्यायाधीश एडीजे गैंगस्टर एक्ट श्री पाल सिंह द्वारा आरोपी को 08 वर्ष के कठोर कारावास और 5000 रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। जुर्माना अदा न करने पर 7 माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। उक्त गैंगस्टर एक्ट की विवेचना निरीक्षक राजेंद्र बहादुर सिंह द्वारा संपादित की गई थी जिस पर अभियोजन द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी करते हुए पैरोकार सुजीत कुमार कोर्ट मोहर्रिर राकेश सिंह तोमर व विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह के द्वारा कड़ी मेहनत करने के बाद आरोपी को सजा दिलायी गई। इनका एक संगठित गिरोह है जिसका गैंग लीडर अफरोज मिर्जा है तथा रियाजुद्दीन सक्रिय सदस्य हैं। यह सभी बहुत ही दुर्दांत और बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी हैं जिनके द्वारा एक जुट होकर चोरी करना, मोटर साइकिल को चोरी कर उनके जाली पेपर बना कर बेचने का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जाता था।

बाल कल्याण समिति औरैया द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन जनपद इटावा द्वारा रेसक्यू किए गए 02 बच्चों को उनके माता-पिता को सौंपा गया

औरैया ब्यूरो। जिला प्रोबेशन अधिकारी औरैया ने अवगत कराया है कि चाइल्ड हेल्प लाइन जनपद इटावा द्वारा 02 बच्चों को रेसक्यू किया गया था उक्त दोनो बच्चे जनपद औरैया के अन्तर्गत ग्रा0 घेरा मुरड़िया, विकासखण्ड सहार के निवासी होने के कारण चाइल्ड हेल्प लाइन जनपद इटावा द्वारा उन्हे जनपद औरैया की चाइल्ड हेल्प लाइन के सुपुर्द किया गया तत्पश्चात चाइल्ड हेल्प लाइन, औरैया द्वारा उक्त दोनों बच्चों को दिनांक 04.12.2025 को बाल कल्याण समिति, औरैया के समक्ष पेश किया गया। अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति औरैया द्वारा दिनांक 04.12.2025 को उक्त दोनों बच्चों को विशेष दत्तक ग्रहण इकाई में आवासित किये जाने का आदेश पारित किया गया। उक्त आदेश के क्रम में दोनों बच्चों को विशेष दत्तक ग्रहण इकाई, औरैया में आवासित किया गया तत्पश्चात जिला प्रोबेशन अधिकारी, औरैया एवं बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से बच्चों के निवास स्थान पर जाकर स्थलीय जाँच की गयी जिससे प्रकाश में आया कि उक्त दोनो बच्चों के माता पिता जनपद इटावा में कही मजदूरी करते है जिला प्रोबेशन अधिकारी के अथक प्रयासों के बाद बच्चों के माता-पिता से दूरभाष के माध्यम से वार्ता की गयी और उन्हे उक्त दोनों बच्चों के विशेष दत्तक ग्रहण इकाई, औरैया में आवासित होने के विषय में अवगत कराया गया तत्पश्चात उनके माता-पिता बाल कल्याण समिति औरैया के समक्ष पेश हुये और अपने बच्चों को लेने का दावा पेश किया गया। बाल कल्याण समिति औरैया द्वारा उक्त बच्चों के माता-पिता द्वारा पेश किये गये अभिलेखों के आधार पर अपने आदेश 05.06.2026 को उक्त दोनों बच्चों को उनके जौविक माता-पिता को अन्तर्गत धारा 3 (ग) जे0 जे0 एक्ट 2015 की धारा 27 उपधारा (9) व धारा 29 उपधारा (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये पत्रावली में दाखित समस्त अभिलेखों को अनुशीलन किया गया एवं एकमत से निर्णय किया गया कि उक्त दोनो बच्चों को जे0जे0 एक्ट 2015 की धारा 3 (i), 3 (1i), 3(iii) तथा जे0 जे0 माडल रूल्स 2016 यथा संशोधित 2022 के नियम 16 के उपनियम (4) के प्रावधानों के अनुसार जैविक संरक्षक (माता) सुनीता देवी एवं आनन्द स्वरूप (पिता) की देख-रेख व संरक्षण में सौप दिया जाये। उपरोक्त के क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, औरैया द्वारा अपने अथक प्रयासो के उपरान्त आज दिनांक 09.06.2026 को दोनो बच्चों के माता-पिता द्वारा कार्यालय में पेश होने पर जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बाल संरक्षण ईकाई/वन स्टॉप सेन्टर / विशेष दत्तक ग्रहण ईकाई के सहयोग से उक्त दोनों बच्चों को उनके जैविक संरक्षक (माता) सुनीता देवी एवं आनन्द स्वरूप (पिता) की देख-रेख व संरक्षण में सौप दिया गया है।

पीड़ित परिवार को संवेदना व्यक्त करते हुए पीएस-4 प्रमुख छेदीलाल निराला टीम के पदाधिकारी अपनी विचार रखे

वाराणसी। साथियों भाजपा शासन में कुम्हारो की हत्या, उत्पीड़न, बलात्कार रूकने का नाम ही नहीं ले रहा है। दो दिन पूर्व राजेश प्रजापति पुत्र अदम लाल ग्राम भीटा,घूरपुर ,ब्लॉक जसेरा,विधानसभा बारा,जिला प्रयागराज में दबंगों द्वारा जघन्य हत्या किया गया। जिसमें पीएस-4 प्रमुख छेदी लाल निराला, माननीय राजेश प्रजापति पीएस-4 राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद प्रत्याशी मिर्जापुर व माननीय प्रकाश प्रजापति जी क्क्र4 वाराणसी जिला उपाध्यक्ष व रोहनिया विधानसभा प्रभारी वाराणसी व माननीय मनसा राजभर जी व रामकिशोर प्रजापति जी नैनी, राजेश प्रजापति घूरपुर ,फूलचंद प्रजापति जी मेजा ,पन्नालाल प्रजापति जी शिरोखर,हरिश्चंद्र प्रजापति बशहरा, राकेश प्रजापति फतेहपुर पूर्व जिला पंचायत सदस्य व वरिष्ठ समाज सेवी जगदीश प्रजापति कोराव व लवकुश प्रजापति कोराव प्रमोद प्रजापति जी ,हाई कोर्ट एडवोकेट दिलीप पंडित जी व एडवोकेट लोकनाथ प्रजापति जी व पीड़ित परिवार को संवेदना व्यक्त करते हुए शासन प्रशासन को 72 घंटा का चेतावनी दिया गया। हत्यारे के साथ-साथ मुख्य साजिश करता व एसआईटी द्वारा पीएस-4 जांच की मांग करता है व पीड़ित परिवार को दो करोड़ रूपया और एक सरकारी नौकरी दिया जाए नहीं तो पीएस-4 बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जो सारी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

रायबरेली। जिले के व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण एवं व्यापारिक गतिविधियों को और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अदिति सिंह ने व्यापारियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने जीएसटी, व्यापारिक लाइसेंस, बाजारों की मूलभूत सुविधाओं, सड़क, बिजली तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। विधायक ने कहा कि व्यापारी वर्ग देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है तथा उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने आश्वस्त किया कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके व्यवसाय को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता,असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी शिखा गुप्ता, एवं उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने भी व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। संवादात्मक माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम को व्यापारियों ने सराहनीय पहल बताते हुए प्रशासन और व्यापारिक समुदाय के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

ज्येष्ठ माह के छठे बड़े मंगलवार पर विभिन्न चौराहों पर विशाल भंडारे का आयोजन

अटरिया सीतापुर। ज्येष्ठ माह के शुभ छठे बड़े मंगलवार के शुभ अवसर पर अटरिया क्षेत्र के विभिन्न चौराहों व काशन में विशाल भंडारा आयोजित हुई जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया अटरिया थाना क्षेत्र मऊ स्थित हाईवे के किनारे समाजसेवी निशांत मोहन मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन अर्चन कर विशाल भंडारा आयोजित हुआ उधर सहजनपुर में सूरज शर्मा मनवां में भानू कश्यप अटरिया इटौजा बार्डर अवस्थी ढाबा कमलेश द्वारा भंडारा हुआ अटरिया कस्बे में सौरभ मिश्र नीलगांव रोड़ सहित इलाके के कई ग्राम पंचायतों में विशाल भंडारा कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

थाना दिबियापुर पुलिस द्वारा पुलिस अभिरक्षा में लिया गया एक बाल अपचारी एवं 02 मोबाइल स्नैचर को किया गया गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो। थाना दिबियापुर पर सत्यम तिवारी पुत्र संतोष तिवारी निवासी गपकापुर मढ़ैया थाना दिबियापुर जनपद औरैया द्वारा तहरीर दी गयी थी कि दिनांक 05.06.2026 को फफूंद चौराहे से गुंजन चौराहे की तरफ जाते समय ओवरब्रिज से उतरते ही उसके मोबाइल फोन को एक अपाचे मोटर साईकिल पर सवार तीन अज्ञात व्यक्तियो द्वारा झपट्टा मारकर छीन लिया गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 215/26 धारा 304(2) बीएनएस बनाम अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत हुआ उपरोक्त घटना का शीघ्र अनावरण हेतु स्थानीय थाना से टीम गठन किया गया था । जिसके क्रम में आज दिनांक 09.06.2026 को थाना दिबियापुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर 02 नफर वांछित अभियुक्त विशाल पुत्र राजू कश्यप निवासी मोहल्ला इन्द्रानगर न्यू वस्ती थाना दिबियापुर जनपद औरैया उम्र 19 वर्ष, सूरज वाल्मीक पुत्र विजय निवासी मोहल्ला इन्द्रानगर नई वस्ती (भट्टा वस्ती) थाना दिबियापुर जनपद औरैया उम्र करीब 19 वर्ष एवं एक नफर बाल अपचारी को पाता रोड से समय करीब 02.05 बजे नियमानुसार पुलिस हिरासत में लिया गया। अभियुक्तों व बाल अपचारी के कब्जे से दो अदद देशी तमंचा .315 बोर नाजायज व 03 अदद जिंदा कारतूस .315 बोर व घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटर साईकिल नम्बर क्क79त्त1980 व छीना हुआ मोबाइल ऋश्वष्ठस्ह्र ॥ह्रञ्जश्व14 क्क्रह्र + 5त्न बरामद किया गया। अभियुक्त विशाल उपरोक्त के कब्जे से एक अदद देशी तमंचा .315 बोर नाजायज व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व अभियुक्त सूरज बाल्मीकि उपरोक्त के कब्जे से बरामद एक अदद देशी तमंचा .315 बोर नाजायज व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद करने के सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 217/2026 धारा 3/25 आयुध अधि0 बनाम विशाल व मु0अ0सं0 218/2026 धारा 3/25 आयुध अधि0 बनाम सूरज बाल्मीकि पंजीकृत कर पूछताछ एवं बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

तारण तरण दिगंबर जैन समाज की मानव सेवा को मिला जिलाधिकारी का प्रोत्साहन

➲ 40वें दिन भी जारी रहा शीतल जल एवं छबील वितरण

बांदा। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी की प्रेरणा से जजी चौराहे पर लगाए गए शीतल जल एवं छबील वितरण शिविर का आज 40वां दिन रहा। तारण तरण दिगंबर जैन धर्मशाला समिति एवं संपूर्ण दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित इस सेवा कार्य के अंतर्गत राहगीरों को शीतल जल, पेठा, चना, बिस्किट एवं छबील का वितरण कर गर्मी से राहत प्रदान की गई। आज आयोजित कार्यक्रम में स्वयं जिलाधिकारी अमित आसेरी ने उपस्थित होकर राहगीरों को छबील वितरित की तथा इस पुण्य एवं मानव सेवा के कार्य में निरंतर सहयोग प्रदान करने वाले सभी समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से संचालित ऐसे जनहितकारी प्रयास मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण हैं। कार्यक्रम में एडीएम न्यायिक माया शंकर यादव, समाजसेवी एवं पत्रकार सुनील सक्सेना, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका श्रीचंद्र चौधरी, यातायात प्रभारी महेन्द्र प्रताप सिंह तथा स्टेनो शाकिर अली सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस सेवा अभियान का आयोजन तारण तरण दिगंबर जैन धर्मशाला समिति एवं संपूर्ण दिगंबर जैन समाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूपत जैन, प्रकाश चंद जैन, रबल जैन एवं पूरन कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

ऑपरेशन साथ-साथ से फिर गुलजार हुए पांच बिखरे परिवार

बस्ती। पारिवारिक विवादों और आपसी मतभेदों के कारण अपनी राहें अलग कर चुके पांच दंपतियों के जीवन में बस्ती पुलिस की एक संवेदनशील मुहिम ने फिर से खुशियां लौटा दी हैं। जनपद के महिला थाने द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन साथ-साथ- टूटते परिवारों को जोड़ने की एक पहल के तहत मंगलवार को पांच अलग-अलग रह रहे पति-पत्नी के जोड़ों को समझा-बुझाकर दोबारा एक साथ रहने के लिए राजी कर लिया गया। महिला थाना पुलिस की इस सकारात्मक कोशिश से कई महीनों से चल रहे विवाद का सुखद अंत हो गया। मामले की जानकारी देते हुए महिला थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह ने बताया कि इन सभी दंपतियों के बीच पिछले कई महीनों से गंभीर पारिवारिक मनमुटाव चल रहा था।

विवाद और आपसी कड़वाहट इस हद तक बढ़ चुकी थी कि दोनों ही पक्ष एक-दूसरे के साथ रहने को बिल्कुल तैयार नहीं थे। मामला महिला थाने पहुंचने पर पुलिस टीम ने इसे पूरी संवेदनशीलता से लिया। इसके बाद दोनों पक्षों को थाने बुलाकर आमने-सामने बैठाया गया और उनकी लंबी काउंसलिंग की गई। पुलिस टीम की सूझबूझ और सही मार्गदर्शन का असर यह हुआ कि दोनों पक्ष अपने पुराने सारे मतभेद और कड़वाहट भुलाकर आगे की जिंदगी एक साथ बिताने को तैयार हो गए। जिन पांच जोड़ों को दोबारा मिलाया गया, उनमें मुख्य रूप से प्रीति व उनके पति दीपक कुमार निवासी ग्राम-चौराहरणपुर, थाना-पैकोलिया रुकसाना खातून व उनके पति इरफान अली निवासी- ग्राम-भित्तियाकला, थाना-रुधौली,ममता व उनके पति अजीत निवासी- ग्राम-हड़ही, थाना-पैकोलिया, प्रीति व उनके पति जमील निवासी ग्राम-कंचन टोला रहमत गंज, थाना-कोतवाली, अर्जुन व उनकी पत्नी निवासी- पुरानी बस्ती, थाना-पुरानी बस्तीशामिल हैं। महिला थाने में ही दोनों पक्षों की सहमति से पूरे कानूनी प्रावधानों के तहत लिखित सुलह-समझौता कराया गया। इसके बाद सभी दंपतियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर पुरानी बातें भुलाने का संकल्प भीलिया। पुलिस टीम ने सभी जोड़ों को थाने से राजी-खुशी और ससम्मान विदा किया।

प्रवर्तन अधिकारियों की लोकेशन देने वालें दो अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

➲ सरकारी राजस्व को क्षति पहुंचाने तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते थे अभियुक्त ➲ अभियुक्तों के कब्जे से 79 हजार रुपए नकद, 02 मोबाइल फोन एवं एक मोटरसाइकिल बरामद

बांदा। उ0प्र0 शासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टालरेन्स की नीति के क्रम में जनपद में पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए थाना मटौंध पुलिस द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन में सम्बन्धित प्रवर्तन अधिकारियों (खनिज, राजस्व, सेलटैक्स, पुलिस आदि) की लोकेशन देकर ओवरलोड ट्रकों को कार्यवाही से बचाकर सरकारी राजस्व को क्षति पहुंचाने तथा अवैध मोरम एवं गिट्टी से लदे वाहनों को पार कराने का दबाव बनाते हुए वाद विवाद करने वाले 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया । गौरतलब हो कि गिट्टी, बालू एवं मौरंग से लदे वाहनों का जनपद बांदा से होकर अन्य जनपदों एवं राज्यों में निरंतर आवागमन होता है । जिसमें ओवरलोड, अवैध तथा बिना प्रपत्रों के वाहनों को जनपद बांदा के विभिन्न थाना क्षेत्रों की सीमा से सुरक्षित रूप से पार कराने हेतु थाना मटौंध क्षेत्र के ग्राम बसहरी के रहने वाले प्रेम नारायण व प्रमोद कुमार द्वारा प्रवर्तन अधिकारियों (खनिज, परिवहन, राजस्व, सेलटैक्स, पुलिस आदि) की लोकेशन की जानकारी प्राप्त कर ट्रक मालिकों एवं चालकों को उपलब्ध करायी जाती है, जिससे उन्हें सुरक्षित मार्ग बताकर ओवरलोड वाहनों को पास कराया जाता हैं।

इस प्रकार की गतिविधियों से न केवल शासन को भारी राजस्व की क्षति हो रही है, बल्कि सम्बन्धित प्रवर्तन अधिकारियों की सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा रहता है । दोनों व्यक्तियों प्रेम नारायण व प्रमोद कुमार द्वारा अवैध/ओवरलोड गाड़ियों को पार कराने का दबाव बनाते हुए बसहरी तिराहे पर वाद विवाद किया गया था।

'कुर्बान' एक रोमांटिक थ्रिलर है

करीना कपूर

करीना कपूर ने अपने अभिनय के दम पर यह साबित कर दिया है कि वे एक बेहतरीन अदाकारा हैं। आज करीना बॉलीवुड में सफलता का दूसरा नाम मानी जाती हैं। अपनी हर फिल्म में उन्होंने एक अलग तरह का किरदार निभाया है और वो भी हर बार एक अलग लुक के साथ, जो उनके फैन्स को पसंद भी बहुत आया है। पेश है साक्षी त्रिपाठी की करीना से बातचीत रू 'कुर्बान' फिल्म में आप किस तरह का किरदार निभा रही हैं? फिल्म में मेरा किरदार अवंतिका का है जिसके इर्द-गिर्द पूरी कहानी घूमती है। अवंतिका एक कॉलेज में प्रोफेसर है जिसे सैफसे प्यार हो जाता है। दोनों शादी करते हैं और फिर अमेरिका चले जाते हैं। वहाँ जाकर उसे पता चलता है कि उसके साथ धोखा हुआ है। कहा जा रहा है कि फिल्म आतंकवाद पर आधारित है ? फिल्म में आतंकवाद को दिखाया गया है लेकिन यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। कहानी आतंकवाद पर आधारित नहीं है, बल्कि वो कहानी का एक हिस्सा है। इस फिल्म के निर्देशक रेंसिल डीसिल्वा के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? बहुत अच्छा रहा। वह आज के निर्देशक हैं। आज की फिल्में बना रहे हैं जिसमें सब कुछ नए ढंग का है। उनके साथ काम करके एक ताजगी का अहसास होता है। फिल्म के दौरान आपने आतंकवाद को करीब से देखा। आपको इसकी वजह क्या लगती है? फिल्म असल में एक लव स्टोरी है लेकिन उसमें आतंकवाद भी दिखाया गया है। मेरे लिए आतंकवाद बहुत ही गलत है जिसे जड़ से मिटाने की जरूरत है। जो लोग आतंकवाद फैला रहे हैं उन्हें समझना चाहिए कि हम सब इंसान हैं। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें इमोशंस, एनर्जी और पैशन सभी चीजें हैं। फिल्म में किस प्रकार के गाने हैं? फिल्म में गाने हैं लेकिन अलग तरह के हैं। दरअसल, यह चार गानों और हँसी-मजाक की फिल्म नहीं है। अब दर्शक भी चार गाने और हँसी-मजाक वाली फिल्में देखकर थक गए हैं। अब वे भी कुछ अलग और बेहतरीन देखना चाहते हैं जो हम इस फिल्म के माध्यम से उन्हें देने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म में आपको असली करीना को देखने का मिलेगा। मैं वास्तविक जिंदगी में जैसी हूँ, वैसी ही इस फिल्म में दिखाई दूँगी। सैफके बारे में आप क्या कहेंगी? सैफमें पहले से बहुत ज्यादा बदलाव आया है। ष्दिल चाहता हैष् से लेकर अब तक हर फिल्म में सैफने खुद को बहुत बदला है। वे बहुत अच्छे कलाकार हैं। उनके साथ काम करना किसी भी अभिनेत्री के लिए शानदार अनुभव है। जहाँ तक हमारे व्यक्तिगत रिश्ते की बात है तो मुझे लगता है कि मेरी वजह से सैफकी जिंदगी में थोड़ा ठहराव आ गया है। उसका मन काम में ज्यादा लगने लगा है क्योंकि मैं अपने काम व्यस्त रहती हूँ। हमेशा उनसे भी कहती रहती हूँ कि वे भी खूब काम करें और मीडिया से दोस्ताना व्यवहार रखें। बतौर अभिनेता आपको सैफकी कौन-सी बात पसंद है? सैफ की खास बात यह है कि वे हमेशा स्क्रिप्ट देखकर ही फिल्म साइन करते हैं। अगर स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती तो वो मना कर देते हैं, फिर चाहे वो किसी की भी फिल्म हो। अगर उनके परिवार का कोई सदस्य भी उनसे फिल्म करने के लिए कहे तो वे पहले स्क्रिप्ट देखेंगे फिर यदि उन्हें लगेगा कि स्क्रिप्ट अच्छी है तभी वे उसे साइन करेंगे। जो लोग आपकी बहन करिश्मा के हीरो रह चुके हैं, उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? मैं जिन अभिनेताओं के साथ काम कर रही हूं लगभग सभी करिश्मा के हीरो थे। फिर चाहे वो अक्षय हों, सलमान हों, आमिर हों या फिर खुद सैफहों। सबको लगता है कि मैं छोटी हूँ और वे हमेशा मुझे बच्ची की तरह ट्रीट करते हैं। दरअसल, करिश्मा की वजह से सभी के साथ हमारा पारिवारिक रिश्ता है। आरके प्रोडक्शन के लिए आप कुछ नहीं करना चाहती हैं? उसके लिए रणबीर को करना चाहिए। मैं तो कपूर परिवार की लड़की हूँ। कितना काम करूँगी। मैंने बहुत काम कर लिया है। वो घर का बेटा है, उसे करना चाहिए। रणबीर से आपकी कभी मुलाकात या बातचीत होती है? मेरी रणबीर कपूर से मुलाकात होती रहती है। अब पहले जैसा वक्त तो नहीं मिल पाता लेकिन पारिवारिक पार्टियों, दूसरे समारोहों में मुलाकात होती रहती हैं। फोन पर भी बातें होती रहती हैं।

जब भी उसकी फिल्में आती हैं मैं हमेशा उसे विश करती हूँ। मैंने उसकी ष्बचना ए हसीनोंष् और ष्साँवरियाष् देखी थी। उसकी एक्टिंग देखकर लगता है कि वह कपूर परिवार की परंपरा को आगे लेकर जाएगा। अभिनेत्रियों में आपकी पसंदीदा अभिनेत्री कौन सी हैं? मुझे प्रियंका चोपड़ा बहुत पसंद हैं। वे बहुत अच्छा काम कर रही हैं लेकिन अगर मुझ पर किसी का जादू है तो वे काजोल और करिश्मा हैं। मैं आज भी सोचती हूँ कि वो इतना अच्छा काम कैसे कर लेती थीं।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट कौन-से हैं? कुर्बान के बाद आमिर के साथ 3 इडियट्स आ रही है। उसके बाद करण जौहर की एक फिल्म है, जिसमें काजोल मेरे साथ काम कर रही हैं। इसके साथ ही सैफअली खान की होम प्रोडक्शन फिल्म एजेंट विनोद कर रही हूँ।

साउथ और बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज ने खुद को कॉकरोच कहा है। ये बयान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए दिया है। प्रकाश राज अक्सर भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयान देते रहते हैं। दरअसल, एक्टर अक्षय कुमार को दिए पुराने इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वो आम खाते हैं और उन्हें आम खाना काफी पसंद है, लेकिन वो बचपन में गरीब थे, तो आम खरीदना उनके लिए मामूली बात नहीं थी। उनके इसी बयान को हाईलाइट करते हुए प्रकाश राज ने अपने आधिकारिक ग् (पहले ट्विटर) अकाउंट से आम को अनोखे अंदाज में खाते हुए वीडियो पोस्ट किया है। प्रकाश राज ने आम की गुठली निकाली और उसमें आइसक्रीम मिलाकर चम्मच से खाया। इसके साथ उन्होंने कहा है, 'ये क्या है मोदी जी, आम को न ऐसे कट करके इमाम पसंद है। इसमें आइसक्रीम डालकर कॉकरोच ऐसे खाते हैं।' इस वीडियो के साथ प्रकाश राज ने लिखा है, 'कॉकरोच ईटिंग मैंगो। हैशटैग कॉकरोच जनता पार्टी।' प्रकाश राज, लगातार भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयान देते रहे हैं। अब वो खुलेआम, कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन दे रहे हैं।

बेहद फिल्मी है सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की लव स्टोरी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के क्यूट और बेस्ट कपल की लिस्ट में शुमार हैं. दोनों की केमिस्ट्री को फैंस खूब पसंद करते हैं और उनकी जोड़ी अक्सर सोशल मीडिया पर छाई रहती है. सोनाक्षी ने 23 जून 2024 को जहीर के साथ शादी की थी. दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे. खास बात ये है कि उनकी लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है. सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की पहली मुलाकात सलमान खान की पार्टी में हुई थी. यहीं पहली बार दोनों मिले और उनकी दोस्ती हुई. सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की पहली मुलाकात सलमान खान की पार्टी में हुई थी. यहीं पहली बार दोनों मिले और उनकी दोस्ती हुई. इसके बाद दोनों के बीच मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई. सोनाक्षी को जहीर से पहली मुलाकात में ही प्यार हो गया था. इसके बाद दोनों के बीच मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई. सोनाक्षी को जहीर से पहली मुलाकात में ही प्यार हो गया था.

तुर्किये में साहिल और ज्योति का कमाल

मौजूदा सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे युवा भारतीय तीरंदाज साहिल जाधव ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रभावशाली खेल जारी रखते हुए मंगलवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के चरण-तीन की कंपाउंड स्पर्धा के क्वालिफिकेशन दौर में 10वां स्थान हासिल किया जबकि अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहीं। पिछले महीने शंघाई में अपना पहला विश्व कप पदक जीतने वाले साहिल ने पुरुष कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 710 अंक जुटाए। ऑस्ट्रिया के निको वीनर 714 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे। साहिल समेत कुल सात तीरंदाज 710 अंकों पर बराबरी पर थे, लेकिन एक्स-काउंट (निशाने के केंद्र के करीब) के आधार पर भारतीय खिलाड़ी 10वें स्थान पर खिसक गए। भारत के ऋषभ यादव 706 अंकों के साथ 22वें स्थान पर रहे, लेकिन वह टीम स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, क्योंकि उनका नाम सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए चुनी गई तीन सदस्यीय टीम में शामिल नहीं है। एशियाई खेलों के लिए चयनित गणेश मणि रत्नम तिरुमुरु ने 703 अंकों के साथ 33वां और कुशल दलाल 699 अंकों के साथ 43वां स्थान प्राप्त किया। साहिल के साथ यही दोनों खिलाड़ी पुरुष टीम स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय पुरुष टीम को तीसरी वरीयता मिली है और वह अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के खिलाफ मुकाबले से करेगी। महिला कंपाउंड स्पर्धा में ज्योति सुरेखा वेन्नम 700 अंकों के साथ भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली तीरंदाज रहीं और सातवें स्थान पर रहीं। चिकिता तनिपार्थी 10वें स्थान पर रहीं, जबकि परनीत कौर 693 अंकों के साथ 18वें स्थान पर रहीं, क्रमशः दूसरी और तीसरी सर्वश्रेष्ठ भारतीय तीरंदाज बनीं। एशियाई खेलों के लिए चयनित 17 वर्षीय पृथिका प्रदीप 690 अंकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों में सबसे पीछे 22वें स्थान पर रहीं। इसके बावजूद वह टीम स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, क्योंकि वह आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए चुनी गई भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिसमें परनीत को जगह नहीं मिली है। एशियाई खेलों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन ने रणनीतिक निर्णय लिया है कि विश्व कप सत्र के दौरान टीम स्पर्धाओं में उन्हीं तीन तीरंदाजों को उतारा जाएगा, जिन्हें पिछले महीने हुए चयन ट्रायल्स में एशियाई खेलों के लिए चुना गया था, चाहे उनके क्वालिफिकेशन स्कोर कुछ भी हों। भारतीय महिला टीम को मेक्सिको के बाद दूसरी वरीयता मिली है और उसने सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसका सामना इटली और अमेरिका के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी भारत को पांचवीं वरीयता मिली है। इस वर्ग में साहिल जाधव और ज्योति सुरेखा वेन्नम की जोड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। दोनों खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली है और वे सीधे प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

32 साल में कितना बदला फुटबॉल का महाकुंभ?

अमेरिका में 1994 में खेले गए पहले फीफा विश्व कप और 2026 में अमेरिका, मेक्सिको तथा कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के बीच कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलने वाला यह टूर्नामेंट आकार, टिकट कीमतों और सुविधाओं के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप होगा। टिकट हुए कई गुना महंगे 1994रू पहले दौर के मैचों के टिकट 25 से 75 डॉलर तक मिल जाते थे, जबकि फाइनल के टिकट 180 से 475 डॉलर के बीच थे। 2026रू पहले दौर के टिकट 140 डॉलर से शुरू होकर 2,735 डॉलर तक पहुंच रहे हैं। फाइनल के टिकट 4,185 डॉलर से लेकर 8,680 डॉलर तक बेचे गए, जबकि बाद में उनकी अधिकतम कीमत बढ़ाकर 10,990 डॉलर कर दी गई। इस बार टिकटों की कीमत मांग के अनुसार बदलने वाली 'डायनेमिक प्राइसिंग' प्रणाली भी लागू की गई है। टीमों की संख्या बढ़ी 1994रू विश्व कप 24 टीमों वाला आखिरी टूर्नामेंट था। इसके बाद 1998 में टीमों की संख्या 32 हुई। 2026रू पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी। नए प्रारूप के कारण चैंपियन बनने वाली टीम को अब सात की जगह आठ मैच खेलने होंगे। मैदानों का आकार 1994रू उस समय फीफा मैदान की लंबाई 105 मीटर और चौड़ाई 68 मीटर तय की थी लेकिन स्टेडियमों को निर्धारित माप से छोटे मैदान रखने की छूट थी। 2026रू सभी स्टेडियमों को फीफा के तय मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। दर्शकों की संख्या 1994रू विश्व कप में 52 मैचों में कुल 35.9 लाख दर्शक पहुंचे थे

सलमा की मौजूदगी : शकीरा का डांस शो

फीफा विश्वकप 2026 की पहली रात होगी शानदार! कब-कहां देख सकेंगे लाइव?

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 का आगाज 11 जून को मैक्सिको सिटी में भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होगा। शकीरा, बर्ना बॉय, जे बाल्विन और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। सलमा हायेक विशेष अतिथि होंगी। भारतीय दर्शक रात 11 बजे से इसका सीधा प्रसारण और लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे। फीफा विश्व कप 2026 का आगाज 11 जून को मैक्सिको सिटी में शानदार ओपनिंग सेरेमनी के साथ होगा। शकीरा, बर्ना बॉय, जे बाल्विन और कई अन्य इंटरनेशनल सेलिब्रिटी परफॉर्मेंस देंगे। हॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस सलमा हायेक स्पेशल गेस्ट होंगी। भारतीय दर्शक 11 जून को रात 11 बजे से इसका सीधा प्रसारण और लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे। आइए जानते हैं कि फीफा विश्व कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में कौन-कौन धमाल मचाएगा और आप कब और कहां इसे लाइव देख सकेंगे... फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार आखिरकार खत्म होने जा रहा है। 48 टीमों और 104 मैचों वाला यह अब तक का सबसे बड़ा फुटबॉल विश्व कप होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत सह-मेजबान मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले से होगी, लेकिन उससे पहले मेक्सिको सिटी में एक भव्य ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। इस बार फीफा ने अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में तीन अलग-अलग उद्घाटन समारोह की योजना बनाई है, जिनका एक कॉमन थीम होगा। पहला और सबसे बड़ा कार्यक्रम मैक्सिको सिटी में आयोजित होगा। 1. फीफा विश्व कप 2026 की पहली ओपनिंग सेरेमनी कब होगी? फीफा विश्व कप 2026 की पहली ओपनिंग सेरेमनी 11 जून को आयोजित होगी। यह कार्यक्रम मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के उद्घाटन मुकाबले से करीब 90 मिनट पहले शुरू होगा। 2. ओपनिंग सेरेमनी कहां आयोजित होगी? पहली ओपनिंग सेरेमनी मैक्सिको सिटी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। यही स्टेडियम विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले की भी मेजबानी करेगा। मैक्सिको सिटी का यह ऐतिहासिक मैदान पहले भी कई यादगार फुटबॉल पलों का गवाह रहा है और अब एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार है। 3. भारतीय समयानुसार कार्यक्रम कितने बजे शुरू होगा? भारतीय दर्शकों के लिए ओपनिंग सेरेमनी भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से शुरू होगी। फीफा के अनुसार मैक्सिको सिटी का उद्घाटन समारोह करीब 16 मिनट 30 सेकंड तक चलेगा। इसके बाद उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। 4. ओपनिंग सेरेमनी में कौन-कौन से बड़े कलाकार प्रस्तुति देंगे? इस समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण विश्व प्रसिद्ध पॉप स्टार शकीरा होंगी। उनके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय कलाकार मंच पर नजर आएंगे। 5. शकीरा के अलावा कौन-कौन से प्रमुख कलाकार और नजर आएंगे? बर्ना बॉय जे बाल्विन डैनी ओशन बेलिंडा लिला डाउन्स लॉस एंजिलिस अजुलेस माना ये सभी कलाकार फीफा विश्व कप 2026 के आधिकारिक एल्बम के गानों को लाइव परफॉर्म करेंगे। 6. राष्ट्रगान कौन गाएगा? फीफा के मुताबिक, मैक्सिको के प्रसिद्ध गायक एलेजांद्रो फर्नांडीज मैक्सिको का राष्ट्रगान प्रस्तुत करेंगे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रगान की प्रस्तुति मशहूर गायिका टायला देंगी। यह पल उद्घाटन समारोह का सबसे भावनात्मक हिस्सा माना जा रहा है।

चोट से लौटते ही मेसी ने दिखाया जादू

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 से पहले अपने अंतिम अभ्यास मैच में अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया। चोट से वापसी कर रहे लियोनेल मेसी ने बेंच से उतरने के दो मिनट बाद ही गोल दागकर फिटनेस पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। वालेंटिन बार्को और थियागो अल्माडा ने भी गोल किए। फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से पहले मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने अपने अंतिम अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत की सबसे बड़ी खासियत कप्तान लियोनल मेसी की वापसी रही, जिन्होंने चोट से उबरने के बाद मैदान पर उतरते ही अपना प्रभाव छोड़ दिया। अलबामा के ऑबर्न में खेले गए इस मुकाबले में अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। हालांकि मैच के शुरुआती मिनटों में आइसलैंड को बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। इसके बाद अर्जेंटीना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बार्को ने दिलाई शुरुआती बढ़त मैच के आठवें मिनट में वालेंटिन बार्को ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिला दी। बार्को का यह गोल दर्शकों के लिए किसी शानदार तोहफे से कम नहीं था और इससे टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पहले हाफ में अर्जेंटीना ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सकी। इसके बावजूद टीम लगातार आइसलैंड के डिफेंस पर दबाव बनाती रही। मेसी ने आते ही दिखाया जादू मैच से पहले मेसी की फिटनेस को लेकर काफी चर्चा थी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए उन्हें मांसपेशियों में थकान और बाएं हैमस्ट्रिंग में हल्का खिंचाव महसूस हुआ था। इसी वजह से कोच लियोनेल स्कालोनी ने उन्हें शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया। मेसी को दूसरे हाफ में मैदान पर उतारा गया और उन्होंने आते ही मैच की दिशा बदल दी। मैदान पर आने के कुछ ही क्षण बाद उनकी सटीक पासिंग ने लाउतारो मार्टिनेज के लिए मौका बनाया। इसी दौरान मार्टिनेज बॉक्स के अंदर फाउल हुए और अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली। पेनल्टी लेने आए मेसी ने बेहद आत्मविश्वास के साथ गेंद को जाल में पहुंचा दिया। सोशल मीडिया पर उनके इस गोल की खूब चर्चा हुई और कई प्रशंसकों ने इसे उनके करियर की सबसे शानदार पेनल्टी में से एक बताया। अल्माडा ने लगाई जीत पर मुहर मेसी के गोल के बाद अर्जेंटीना का आत्मविश्वास और बढ़ गया। इसके कुछ देर बाद मेसी और लाउतारो मार्टिनेज के बीच शानदार पासिंग मूव देखने को मिला। इस मूव का फायदा उठाते हुए थियागो अल्माडा ने तीसरा गोल दाग दिया और स्कोर 3-0 कर दिया। आइसलैंड की टीम इसके बाद वापसी नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने आराम से मुकाबला अपने नाम कर लिया। विश्व कप से पहले फिट दिखे कप्तान मेसी का यह प्रदर्शन अर्जेंटीना के लिए राहत भरी खबर है। पिछले मुकाबले में वह चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन इस मैच में उन्होंने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और विश्व कप के लिए तैयार हैं। 39 वर्ष के होने जा रहे मेसी अपने करियर का छठा फीफा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। वह अर्जेंटीना के लिए अब तक 117 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके हैं

फुटबॉल विश्वकप में अंतिम स्थान पर रहने वाली टीम भी होगी मालामाल!

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 सिर्फ खेल के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी इतिहास रचने जा रहा है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 655 मिलियन डॉलर (करीब 6240 करोड़ रुपये) है। खास बात यह है कि टूर्नामेंट में सबसे नीचे रहने वाली टीम भी कुल 21.5 मिलियन डॉलर (करीब 205 करोड़ रुपये) लेकर जाएगी, जो क्रिकेट विश्व कप और टी20 विश्व कप के विजेताओं को मिलने वाली राशि से कहीं अधिक है। फुटबॉल का महाकुंभ कहे जाने वाले फीफा विश्व कप 2026 का आगाज 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-स्पोर्टिंग इवेंट के रूप में पहचाने जाने वाले इस टूर्नामेंट की चमक सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है। इसकी रिकॉर्डतोड़ प्राइज मनी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। फीफा (फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन) ने इस बार पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी की है। यही वजह है कि अब फुटबॉल और क्रिकेट के बीच आर्थिक अंतर पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट नजर आता है। 2022 के मुकाबले काफी बढ़ी प्राइज मनी कतर में खेले गए फीफा विश्व कप 2022 की कुल प्राइज मनी 440 मिलियन डॉलर थी, लेकिन 2026 के संस्करण में यह बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (करीब 6240 करोड़ रुपये) हो गई है। विजेता टीम को इस बार 50 मिलियन डॉलर यानी लगभग 476 करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि अकेले कई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की कुल प्राइज मनी से भी अधिक है। फीफा विश्व कप 2026रू किसे कितनी मिलेगी प्राइज मनी? (प्रदर्शन आधारित) स्थान
प्राइज मनी (अमेरिकी डॉलर)
भारतीय रुपये (लगभग) विजेता
50 मिलियन डॉलर ₹476 करोड़
उपविजेता 33 मिलियन डॉलर
₹314 करोड़ तीसरा स्थान 29 मिलियन डॉलर ₹276 करोड़ चौथा स्थान
27 मिलियन डॉलर ₹257 करोड़
5वें-8वें स्थान 19 मिलियन डॉलर
₹181 करोड़ 9वें-16वें स्थान 15 मिलियन डॉलर ₹143 करोड़ 17वें-32वें स्थान 11 मिलियन डॉलर
₹105 करोड़ 33वें-48वें स्थान
9 मिलियन डॉलर ₹86 करोड़
आखिरी टीम भी करोड़ों में कमाएगी फीफा की आर्थिक संरचना सिर्फ प्रदर्शन आधारित पुरस्कारों तक सीमित नहीं है।

अर्थ जगत

अनिल अंबानी को मिली अंतरिम सुरक्षा, काला धन अधिनियम के तहत कार्रवाई पर उच्च न्यायालय की रोक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी को काला धन अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा दी है। अंबानी ने अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। आयकर विभाग ने उन पर 420 करोड़ रुपये की कर चोरी का आरोप लगाया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। उद्योगपति अनिल अंबानी को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उन्हें काला धन अधिनियम के तहत उन पर मुकदमा चलाने और जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। अंबानी ने अपनी याचिका में इस अधिनियम के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने मंगलवार को यह आदेश दिया। पीठ ने नोट किया कि इस अधिनियम के खिलाफ अन्य याचिकाएं भी दायर की गई हैं। अदालत ने अंबानी की याचिका को स्वीकार कर लिया है। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि अंबानी के खिलाफ एक मूल्यांकन आदेश पहले ही पारित हो चुका है। उन्होंने आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर की है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह अपील आगे बढ़ सकती है। हालांकि, याचिका के अंतिम निपटारे तक अंबानी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसमें अभियोजन और जुर्माना भी शामिल है। क्या है आयकर विभाग का आरोप? आयकर विभाग ने 8 अगस्त, 2022 को अनिल अंबानी को एक नोटिस जारी किया था। विभाग ने उन पर 814 करोड़ रुपये से अधिक के अघोषित धन पर 420 करोड़ रुपये के कर की कथित चोरी का आरोप लगाया है। यह धन दो स्विस बैंक खातों में रखा गया था। विभाग के नोटिस के अनुसार, अंबानी पर काला धन अधिनियम की धारा 50 और 51 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। इन धाराओं में अधिकतम 10 साल की कैद और जुर्माने का प्रावधान है। विभाग का आरोप है कि अंबानी ने जानबूझकर अपने विदेशी बैंक खातों का विवरण और वित्तीय हितों का खुलासा नहीं किया।

छूट के बाद एफपीआई ने एफएआर प्रतिभूतियों में 8,795 करोड़ रुपये का भारी निवेश किया, जानिए इस बारे में

नयी दिल्ली। सरकार द्वारा कर छूट दिए जाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फुली एक्सेसिबल रूट प्रतिभूतियों में 8,795 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे भारत के ऋण बाजार को मजबूती मिलेगी। सरकार द्वारा कर छूट दिए जाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों में बड़ा निवेश किया है। एफपीआई ने इन बॉन्डों में ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट मिलने के बाद 8,794.743 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह कदम भारत के घरेलू ऋण बाजार को मजबूत करने और रुपये को बाहरी दबावों से सहारा देने के लिए उठाया गया है। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, तीन जून को एफएआर प्रतिभूतियों में एफपीआई की होल्डिंग 3.23 लाख करोड़ रुपये थी। यह मंगलवार, 7 जून को बढ़कर 3.32 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। एफएआर अनिवासी निवेशकों को भारत सरकार की प्रतिभूतियों (शेयरों) में बिना किसी निवेश सीमा के निवेश करने की अनुमति देता है। एरेट कैपिटल के उपाध्यक्ष माताप्रसाद पांडे ने इस कदम को सकारात्मक बताया है। उन्होंने बताया कि अप्रैल और मई में हुई शुद्ध खरीद का करीब 75 फीसदी एफएआर श्रेणी में निवेश किया गया। यह भारत के प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने के मामले को भी मजबूत करता है। सरकार ने 5 जून को आयकर अधिनियम में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी किया था। यह छूट 1 अप्रैल 2025 से पूर्वव्यापी रूप से लागू है, जिससे निवेशकों को तत्काल लाभ मिला है। कर छूट क्यों दी गई?? सरकार ने यह कदम घरेलू ऋण बाजार में अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए उठाया है। इसका उद्देश्य बाहरी दबावों के बीच रुपये को समर्थन देना भी है। पहले विदेशी निवेशकों पर सूचीबद्ध शेयरों और बॉन्ड पर 12.5 फीसदी का दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर लगता था। यह कर उन प्रतिभूतियों पर लगता था जिन्हें 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता था। सरकारी बॉन्ड पर अर्जित ब्याज पर 20 फीसदी का विदहोल्डिंग कर भी लगता था। नई छूट से निवेशकों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे निवेश के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने क्या अतिरिक्त उपाय किए? भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी जून मौद्रिक नीति घोषणा में महत्वपूर्ण बदलाव किए। उसने एफएआर के तहत उपलब्ध प्रतिभूतियों का दायरा बढ़ाया है। इसमें 15-वर्षीय, 30-वर्षीय और 40-वर्षीय अवधि की सभी नई सरकारी प्रतिभूतियां शामिल की गईं। केंद्रीय बैंक ने सामान्य मार्ग के तहत एफपीआई निवेश के लिए कुछ सीमाएं भी हटाईं। इनमें अल्पकालिक निवेश, एकाग्रता और व्यक्तिगत प्रतिभूतियों से संबंधित सीमाएं शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि ये उपाय सरकारी उधारी के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने में मदद करेंगे। इन उपायों से बाजार में तरलता भी बढ़ेगी। इन कदमों का क्या महत्व है? भारत सरकार इन उपायों के माध्यम से बॉन्ड बाजार को गहरा करना चाहती है। इसका लक्ष्य वैश्विक निवेशकों की अधिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाना है। इन कदमों से सरकारी प्रतिभूति बाजार विदेशी निवेशकों के लिए और अधिक खुल गया है। माताप्रसाद पांडे के अनुसार, यह भारत की वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने की संभावनाओं को बढ़ाता है। इन सूचकांकों में ब्लूमबर्ग का सॉवरेन बॉन्ड सूचकांक भी शामिल है। इसका समावेश निर्णय इस वर्ष की शुरुआत में टाल दिया गया था। अब भारत की स्थिति और मजबूत हुई है। एफएआर रूट है क्या?

क्रिप्टो घोटाले के मास्टरमाइंड सैम बैंकमैन-फ्राइड ने मांगी ट्रंप से माफी, क्या सजा से मिलेगी राहत?

नयी दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय घोटालों में से एक के दोषी और एफटीएक्स के संस्थापक सैम बैंकमैन-फ्राइड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगी है। जानिए उनके इस कदम के पीछे की पूरी कहानी और क्या हैं इसके मायने। इतिहास के सबसे बड़े वित्तीय घोटालों में से एक को अंजाम देने वाले पूर्व क्रिप्टो अरबपति सैम बैंकमैन-फ्राइड ने एक बड़ा दांव चला है। अमेरिका के न्याय विभाग (डीओजे) की वेबसाइट के अनुसार, एफटीएक्स के 34 वर्षीय संस्थापक बैंकमैन-फ्राइड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आधिकारिक तौर पर माफी की गुहार लगाई है। सैम वर्तमान में अपनी 25 साल की जेल की सजा काट रहे हैं जो उन्हें 2024 में सुनाई गई थी। लेकिन सवाल यह है कि कभी डेमोक्रेटिक पार्टी के बड़े डोनर रहे सैम अब ट्रंप के दरबार में क्यों पहुंचे हैं और इस माफी के क्या मायने हैं? क्या इस माफी से सैम बैंकमैन-फ्राइड की सजा खत्म हो जाएगी? ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के हवाले से सामने आए न्याय विभाग के दस्तावेजों के अनुसार, सैम ने सजा पूरी होने के बाद माफी के लिए आवेदन किया है। इसका सीधा मतलब है कि यह माफी उनकी दोषसिद्धि को खत्म नहीं करेगी, बल्कि सजा पूरी होने के बाद यह उनके कुछ नागरिक अधिकारों को बहाल कर देगी, जैसे वोट देने या जूरी में शामिल होने का अधिकार। इसके अलावा, अगर यह माफी मिल जाती है, तो उनके लिए भविष्य में रोजगार, लाइसेंसिंग, शिक्षा और आवास से जुड़ी कानूनी रुकावटें भी दूर हो जाएंगी। कभी डेमोक्रेट्स को फंड देने वाले सैम अब ट्रंप के समर्थक कैसे बन गए? जब बैंकमैन-फ्राइड एफटीएक्स के सीईओ थे, तब वे डेमोक्रेटिक पार्टी के अभियानों के सबसे बड़े दानदाताओं (डोनर्स) में से एक माने जाते थे। हालांकि, फेडरल जेल जाने के बाद से उनका रुख बदल गया है और उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के समर्थन में पोस्ट किए हैं। सोमवार को फॉक्स बिजनेस के साथ प्रकाशित एक इंटरव्यू में सैम ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह शनिश्चित रूप सेश् राष्ट्रपति से माफी चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और व्हाइट हाउस का इस पर क्या रुख है? न्याय विभाग के मुताबिक, सैम ने अपना यह माफी का आवेदन इसी साल यानी 2026 में कभी किया है, हालांकि इसकी सटीक तारीख सार्वजनिक नहीं की गई है। सीएनएन के सवाल पर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, प्रवक्ता ने जनवरी में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए गए डोनाल्ड ट्रंप के एक इंटरव्यू का हवाला दिया, जिसमें ट्रंप ने साफतौर पर कहा था कि वह बैंकमैन-फ्राइड को माफ नहीं करेंगे। कैसे ढहा था 32 अरब डॉलर का एफटीएक्स साम्राज्य? कभी शक्रिप्टो वंडर बॉयश् कहे जाने वाले सैम की कंपनी एफटीएक्स की वैल्यू एक समय पर 32 अरब डॉलर पहुंच गई थी। लेकिन 2022 में यह साम्राज्य तब ताश के पत्तों की तरह ढह गया जब निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में पैसे निकालने के कारण कंपनी दिवालिया हो गई, जिससे पूरी क्रिप्टो इंडस्ट्री में दहशत फैल गई। अभियोजकों ने साबित किया कि सैम ने ग्राहकों के अरबों डॉलर चुपचाप अपने क्रिप्टो हेज फंड अल्मेडा रिसर्च में ट्रांसफर कर दिए थे। इन पैसों का इस्तेमाल जोखिम भरे निवेश, राजनीतिक चंदे और रियल एस्टेट खरीदने के लिए किया गया था। क्या कम होगा सैम का जोखिम? सैम बैंकमैन-फ्राइड को वायर फ्रॉड, सिक्योरिटीज फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश सहित कई गंभीर धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।